

खबरों में शहर

डॉक्टरों को होटल खाली करने के आदेश

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 19 मई।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक आदेश में कहा गया है कि विभिन्न होटलों में 14 दिन के लिए कोरंटाइन किए गए डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों को यह आदेश दिया जाता है कि वे होटल तुरत खाली कर दें। ऐसा न करने पर 14 दिन के अतिरक्त रुके दिनों का भुगतान डाक्टरों के वेतन में में किया जाएगा। अभी कोविड के इलाज में लगे व होटलों में रुकने वाले स्वास्थ्यकर्मियों के लिए दिए गए निर्देश में कोई बदलाव नही किया गया है।

‘निर्माण विभाग नोडल अधिकारी नियुक्त करें’

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 19 मई।

दिल्ली के श्रम मंत्री गोपाल राय ने मंगलवार मंगलवार को बिलिंग्ग एंड कंस्ट्रक्शन वर्कर वेलफेयर बोर्ड की बैठक की। बैठक में प्रमुख सचिव (पीडब्ल्यूडी), सचिव (श्रम), सीपीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता और तीनों एमसीडी के अधिकारी शामिल हुए। विभाग को आदेश दिया गया कि निर्माण कार्य से सम्बंधित विभाग अपने यहां कार्यकारी अभियंता स्तर पर एक नोडल अधिकारी नियुक्त करें। नोडल अधिकारी निर्माण मजदूरों को सहायता, उनका पंजीकरण और बोर्ड द्वारा दी जाने वाली अन्य सहायता के बारे में जानकारी दें, ताकि श्रमिकों में उत्पन्न भय को दूर किया जा सके।

बुराड़ी मोड़ पर हुए सड़क हादसे में दो की मौत

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 19 मई।

दिल्ली के आउटर रिंग रोड के बुराड़ी मोड़ पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। दोनों मृतक दिल्ली के संगम विहार इलाके के रहने वाले थे। हादसा उस वक्त हुआ जब 38 साल का सागर अपने एक साथी के साथ आजपुर मंडी से सड़की लेकर वापस आ रहा था। तभी जहांगीरपुरी की तरफ से आ रहे एक ट्रक ने ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों लोग सड़क पर गिर पड़े और सिर पर गंभीर चोटें आने से दोनों की मौत हो गई।

‘बाबूजी’ कहकर फंस गया फर्जी कांस्टेबल

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 19 मई।

कंझावाला थाना पुलिस ने वाहन चेंकिंग के दौरान एक फर्जी पुलिसकर्मी वीरेंद्र कुमार (42) को गिरफ्तार किया है। आरोपी रोहतक का रहने वाला है। पकड़े जाने के बाद आरोपी पुलिसकर्मियों से कह रहा था कि वह एक बदमाश का पीछा कर रहा है। मगर इसी बीच आरोपी ने एक पुलिसकर्मी को ‘बाबूजी’ बोल दिया, जिससे वह फंस गया। चूकि पुलिसकर्मियों को पता है कि वह एक-दूसरे को ‘जनाब व साहब’ बुलाते हैं। पुलिस ने उसके पास से फर्जी आईकार्ड बरामद किया है। पुलिस पुछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

टंडन बोले, स्कूल बंद है पढ़ाई नहीं

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 19 मई।

निजी स्कूलों के एक संगठन एक्शन कमेटी अनएडेड प्राइवेट स्कूल के उपाध्यक्ष बीपी टंडन ने कहा कि कोरोना कोप के दौरान ऑनलाइन कक्षाओं के जरिए छात्रों को पढ़ाने के लिए शिक्षक का योगदान हमेशा याद किया जाएगा। दिल्ली हाइकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट के नजरिए का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अभिभावकों को फीस जमा करने के लिए आगे आना चाहिए। क्योंकि स्कूल बंद है पढ़ाई नहीं। प्रबंधक व अध्यापकों की यह ऑनलाइन फेल को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि फीस जमा करने से स्कूल के सभी कर्मचारियों को वेतन दिया जा सकेगा।

ORISSA HIGH COURT DISMISSED THE WRIT PETITION CHALLENGING THE ONLINE ELECTION CONDUCTED BY THE ELECTION OFFICER ,NATIONAL FEDERATION OF SBI SC /ST EMPLOYEES AND VACATED THE INTERIUM ORDER DATED 17-4-2020

The honorable Orissa High Court has dismissed the writ petition vide it's order dated 15-05-2020 (W.P. ("C") No.11146 of 2020) filed against conduct of online election of National Federation of SBI SC/ST Employees which is the apex body of all 17(Seventeen) Circles of State Bank of India and largest Federation of SC/ST Employees in the Financial Sector in the Country.

Looking at the status of the Parties, the honorable High Court also has vacated it's interim order dated 17-04-2020 which has stayed the notice dated 11-04-2020 in Annexure -6 of the Election Officer for conduct of online election since the Court has no jurisdiction over the matter.

Due to Covid-19 pandemic situation and lockdown, the delegates of the National Federation of State Bank of India SC/ST Employees of the entire Country have elected Shri K.L.Chavan, from Bangalore circle as their all India Secretary General and Shri R.P.Singh from Lucknow circle as their National President through this online Election.

कम दिखे कर्मचारी और व्यापार भी नहीं हुआ खास

दिल्ली में खुले दुकानों के शटर



जनपथ में सम-विषम का पालन करते हुए दुकानें खोली गईं।

सभी फोटो : अरुण चोपड़ा

ने सभी दुकानों को जानकारी दी। खान मार्केट में कुछ व्यापारियों ने कहा कि सम-विषम फार्मुला इस बाजार में प्रभावी तरीके से लागू नहीं किया जा सकता है। ऐसे में वे कोई और तरीका बनाने में जुटे हैं।

हालांकि करोल बाग का प्रसिद्ध गफफार मार्केट सम-विषम आधार पर काम करने लगा। मंगलवार को विषम नंबर वाली दुकानें खुलीं। सभी बाजारों में दुकानों पर कम कर्मचारी ही पहुंचे। व्यापारियों ने जिसकी एक वजह उनके कर्मचारियों का दिल्ली से अपने गृह राज्यों में पलायन का होना भी बताया। खासकर टेले वाले, मजदूर और दिहाड़ी मजदूरों की उपस्थिति

नदारत रही। कोई विशेष कारोबार नहीं हुआ। कैट ने कहा कि हालांकि दिल्ली समेत देशभर के किसी भी वाणिज्यिक बाजार में कोई व्यापार नहीं हुआ कैट के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि दिल्ली में अधिकतर व्यापारी और व्यापार संघ सम-विषम फार्मुला के आधार पर दुकानें खोलने के पक्ष में नहीं हैं।

उन्होंने सुझाव दिया कि दिल्ली में बाजारों को दस हिस्सों में बांटकर पांच हिस्से के बाजार सुबह आठ से एक और बाकी पांच हिस्से के बाजार एक से शाम पांच बजे तक खोले जा सकते हैं। या फिर इन्हें एक दिन छोड़कर एक दिन खोला जा सकता है।

सीमित सवारियों के साथ दिल्ली में दौड़े वाहन

जमसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 19 मई।

चौथी पूर्णबंदी में मिली बड़ी राहत के बाद मंगलवार को शलों के साथ सार्वजनिक परिवहन सेवा बहाल हो गई। सड़कों पर बस, ऑटो व ई-रिक्शा दौड़ते नजर आए लेकिन इन्हें सवारियों सीमित संख्या में दिखी।

बंदी में छूट मिलते ही सड़कों पर निजी वाहनों से भी लोग उतर आए। इससे दिल्ली के कई इलाकों में जाम दिखा। टैक्सी और ऑटो वाले वाहनों में सेनेटाइजर रखे हुए थे।

दो माह के बंद के बाद ये सेवाएं शुरू की गई हैं। दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने बताया कि सार्वजनिक परिवहन को बहाल करने के संबंध में विभाग सभी जरूरी सावधानी बरत रहा है और लोगों से मार्स्क पहनने और सामाजिक दूरी का पालन सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया है।

कैलाश गहलोत ने जानकारी दी कि दिल्ली सरकार ने बस में चढ़ने से पहले यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग शुरू की है। हम सभी व्यस्त बस स्टैंड पर इसे लागू करने का प्रयास करेंगे। डीटीसी और क्लस्टर बस सेवा

सार्वजनिक परिवहन के नए प्रावधान

- टैक्सी कैब की चलेंगी, केवल 2 यात्रियों ही जाएंगे
- चालक को सवारी सीट संक्रमण मुक्त करनी होगी
- कार में दो यात्री से ज्यादा होंगे
- 2000 से अधिक बसें सड़कों पर उतारी गईं
- 1200 बसें पुलिस ह कार्यों के लिए रखी गईं

शुरू हो गई है। डीटीसी एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, कई बसें विशेष अनुबंध के काम में लगी हैं। आने वाले दिनों में स्थिति में सुधार होगा।

बदला नजारा

बस में मार्शल कम नजर आए, खाली चली बसें : नई दिल्ली व पुरानी दिल्ली के लिए जाने वाली बसों में मार्शल कम ही नजर आए। मार्शल बस स्टॉप पर नजर नहीं आए। बसों में संख्या नियंत्रित करने की कोशिश चालकों ने की। सुबह के व्यस्तम समय में लोगों काफी इंतजार करना पड़ा। काफी गाड़ियां खाली चली।

ऑटो से जाना था पर करनी पड़ी टैक्सी : सवारियों के नए प्रावधानों की वजह से कई परेशानियां भी उठानी पड़ीं। ऑटो चालक भी ज्यादा सवारी नहीं ले रहे थे। **ग्रामीण इलाकों में कम निकली बसें** : दिल्ली के ग्रामीण इलाकों में मंगलवार को भी बस संकट रहा। क्योंकि पूर्णबंदी की अवधि का वेतन भुगतान नहीं होने के कारण चालक काम पर नहीं आए।

डिचार्ज कलां, कंझावला, कैर और बवाना डिपो से कई क्लस्टर बसें नहीं चलीं क्योंकि लंबित वेतन भुगतान की मांग कर रहे चालकों ने काम पर आने से मना कर दिया। दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टी मॉडल ट्रांजिट सिस्टम (डिम्ट्स) के तहत शहर में 2500 से ज्यादा क्लस्टर बसों का परिचालन होता है। डीटीसी करीब 3900 बसें चलाती है।



दिल्ली में एक ग्रामीण सेवा फटाफट चालक वाहन में सेनेटाइजर रखे हुए दिखा।

ट्वीट-रिट्वीट

आज से कुछ आर्थिक गतिविधियां शुरू हो रही हैं। हमारी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है कि पूरे अनुशासन से रहें और कोरोना को कंट्रोल में रखें। मार्स्क जरूर पहने, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें और अपने हाथों को हैंड सैनिटायजर से साफ करते रहे। आप और आपका परिवार स्वस्थ रहें - ऐसी प्रभु से प्रार्थना है। हम अनुशासन से रहेंगे, तो प्रभु हमारी रक्षा करेंगे।

-*अरविंद केजरीवाल, मुख्यमंत्री, दिल्ली*



कोरोना ने दुनिया को संकट में डाला, लेकिन लॉकडाउन करते समय मजदूरों, स्टूडेंट्स, मरीजों इत्यादि को ध्यान में नहीं रखने के कारण हमारे देश में गंभीर संकट पैदा हुआ। दिल्ली सरकार ने प्रवासी मजदूरों का ध्यान रखा, उनके भोजन की व्यवस्था की। जरूरतमंद की मदद करना हम सबका कर्तव्य है।

-*राजेंद्र पाल गौतम, समाज कल्याण मंत्री*

अरविंद केजरीवाल जी, रिक्शा व आटो में सिर्फ एक सवारी,गरीब कहां दे पायेगा पूरा किया। इस महामारी में गरीबों को उनके काम काज पर आने जाने में क्यों ना हो बस यात्रा फ्री क्या ये नही है गरीबों का हक। क्योंकि अभी कोई चुनाव नहीं है।

-*रमेश बिष्टूड़ी, सांसद, दक्षिण दिल्ली*



अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली वालों का भरोसा तोड़ दिया। अखिर झूठ बोलने की भी सीमा होती है।जनता को मरने के लिए छोड़ दिया। अब बचते फिरो।

-*विजय गौयल, नेता भाजपा*

उचित दूरी का पालन करते हुए बस में 20 लोगों से पैसा क्यों लिए जाए। ये लोग काम पर ही तो जा रहे है जनता के लिए दिल्ली की बस सेवा मुफ्त कर दो। ग्राउंड पे मुख्यमंत्री नदारद रहे, ये अच्छी बात नहीं है। जनता ने सिर्फ प्रेसवार्ता के लिए आपको मुख्यमंत्री नहीं बनाया। दिल्ली सरकार खराब व्यवस्था पर जवाब दे।

-*मनोज तिवारी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष*

with

Dr Naushad Forbes

Co-chairman, Forbes Marshall; former President, CII

Join us for a discussion with Naushad Forbes to understand Corporate India's challenges in getting back to work, and the strategies companies need to devise as they ramp up capacity and navigate the new normal.

Mr Forbes will be in conversation with

P Vaidyanathan Iyer

Executive Editor (National Affairs), The Indian Express

20 MAY 2020

05:00 PM

Join us on **zoom**

To register, SMS - IEEXP <space> "JS" <space> "Your name and email ID" to 56161

Confirmation SMS will be your registration.

The Indian EXPRESS

JOURNALISM OF COURAGE

IndianExpress.com/apps

twitter.com/IndianExpress

facebook.com/IndianExpress

खबर कोना

इजराइली विदेश मंत्री ने सबसे पहले भारत को किया फोन
यरुशलम, 19 मई (भाषा)।

इजराइल के नवनियुक्त विदेश मंत्री गाबी अशकेनजी ने मंगलवार को भारत को फोन किया और पदभार संभालने के बाद उनके द्वारा किसी देश को किया गया यह पहला फोन है। उन्होंने इस दौरान विदेश मंत्री एस . जयशंकर से बातचीत की। इससे एक दिन पहले, इजराइल और भारत के विदेश मंत्रियों ने पारस्परिक रूप से लाभकारी भागीदारी के लिए बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत और विस्तारित करने के उद्देश्य से मिलकर काम करने का संकल्प लिया था। इजराइल के नए विदेश मंत्री की यह सामान्य शिष्टाचार कॉल थी। इस दौरान उच्च स्तरीय यात्राओं को शुरू करने, द्विपक्षीय राणनीतिक भागीदारी को और मजबूत करने व कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर सहयोग को और आगे ले जाने पर जोर दिया गया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ट्वीट किया, ‘ फोन करने के लिए धन्यवाद इजराइल के विदेश मंत्री गाबी अशकेनजी।’

पंचेन लामा कहां हैं, तत्काल बताए चीन : अमेरिका
वाशिंगटन, 19 मई (भाषा)।

अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने चीन से कहा कि उसे तत्काल यह सार्वजनिक करना चाहिए कि पंचेन लामा कहां हैं और साथ ही धार्मिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देने की अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का पालन करना चाहिए। पंचेन लामा तिब्बती बौद्ध धर्म की सर्वाधिक महत्वपूर्ण हस्तियों में से एक हैं जिनका स्थान आध्यात्मिक प्राधिकार के रूप में दलाई लामा के बाद दूसरे नंबर पर है। । **ब्रिटेन से 2,288 भारतीयों को स्वदेश लाया गया**
लंदन, 19 मई (भाषा)।

कोरोना विषाणु से संक्रमण के चलते अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर लगी रोक की वजह से ब्रिटेन में फंसे करीब 2,288 भारतीयों को वंदे भारत मिशन के पहले चरण में स्वदेश लाया गया है। उधर ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्डधारक भी भारत वापसी का इंतजार कर रहे हैं लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग ने बताया, ‘हमने 17 मई तक एअर इंडिया की आठ उड़ानों के जरिये ब्रिटेन में फंसे 2,288 भारतीयों को वापस भेजा गया है। वंदे भारत मिशन भारतीयों की वापसी के लिए जारी रहेगा।’

स्वदेशी पर स्पष्टीकरण आने तक सीएपीएफ की कैंटीन में खरीद रुकी

नई दिल्ली, 19 मई (भाषा)।

केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों ने देश भर में चलने वाले अपने कैंटीन के लिए 400 से अधिक वेंडरों से अपनी खरीद के सभी ऑर्डर फिलहाल स्थगित रखे हैं। इन कैंटीन से करीब 50 लाख अर्द्धसैनिक बल के कर्मी और उनके परिवार सामानों की खरीद करते हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 13 फरवरी को घोषित किया था कि ये कैंटीन एक जुन से केवल स्वदेशी उत्पादों की बिक्री करेंगे ताकि घरेलू उद्योगों को बढ़ावा दिया जा सके।

केंद्रीय पुलिस कल्याण भंडारण निकाय ने हाल में आदेश जारी कर हर तरह की सामग्री के ऑर्डर पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई। यह रोक तब तक रहेगी जब तक कि गृह मंत्रालय से स्वदेशी कंपनियों और उत्पादों को लेकर निर्देश प्राप्त नहीं हो जाता है। इसने सभी अर्द्धसैनिक या केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) को सूचित किया कि जो ऑर्डर दिए जा चुके हैं और जो आपूर्ति होने वाले हैं, उन्हें स्वीकार किया जाएगा। बहरहाल, पहले दिए गए जो जिन ऑर्डर को भेजने की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है, उन्हें स्थगित किया जा रहा है या फिलहाल रद्द किया जा रहा है। इसने कहा कि वर्तमान भंडारित माल को बेचने पर भयभीत होने की जरूरत नहीं है और जो माल नहीं बिका है उसे आपूर्तिकर्ता को वापस लौटाने की जरूरत नहीं है।

श्रमिक के बेटे का जन्मदिन मनाने केक लेकर पहुंचे एएसपी

हापुड़, 19 मई (भाषा)।

पुर्णबंदी के बीच दिल्ली से आजमगढ़ के पैदल सप्तर पर परिवार के साथ निकले प्रवासी मजदूर देवीदीन को मंगलवार को यहां पुलिस का मानवीय चेहरा देखने को मिला, जब उसके बच्चे का जन्मदिन मनाने खुद एएसपी केक लेकर पहुंच गए।

राजमार्ग से गुजर रहे इस प्रवासी श्रमिक के परिवार ने जब पुलिस को बताया कि उनके बेटे का आज जन्मदिन है और उनको घर पहुंचने की जल्दी है तो जमपद हापुड़ के एएसपी अपनी टीम के साथ खुद केक लेकर मौके पर पहुंचे और बच्चे का जन्मदिन मनाया। देवीदीन अपनी पत्नी लक्ष्मी और बेटे आशीष के साथ दिल्ली से

48 लाख से अधिक कोरोना संक्रमित, 3.18 लाख लोगों की मौत रूस, ब्राजील और भारत में संक्रमण बढ़ा, दुनिया हुई चिंतित

- रूस और ब्राजील में कोरोना संक्रमितों की संख्या अमेरिका से पीछे
- रूस में संक्रमितों की संख्या तीन लाख के करीब पहुंच गई है

मॉस्को, 19 मई (एपी)।

दुनिया में कोरोना विषाणु से 48 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं। उनमें से करीब 3,18,000 लोगों की मौत हुई है। संक्रमण के मामले रूस, ब्राजील और भारत में बढ़ने से दुनिया की चिंता बढ़ गई है। रूस और ब्राजील में संक्रमितों की संख्या अब केवल अमेरिका से पीछे हैं। दुनिया भर में कोरोना वायरस के इलाज के लिए बन रहे संभावित टीकों में करीब एक दर्जन टीके परीक्षण के पहले चरण में पहुंच गए हैं या इसके करीब हैं।

जॉन होपकिंस विश्वविद्यालय के आंकड़ों के मुताबिक दुनिया में कोरोना वायरस से 48 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं। उनमें से करीब 3,18,000 लोगों की मौत हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि संक्रमितों की यह संख्या विभिन्न कारणों से वास्तविक संक्रमितों से बहुत कम है।

रूस में मंगलवार को संक्रमितों की संख्या

में फिर उछाल आया है और 14.7 करोड़ की आबादी वाले इस विशाल देश के कई स्थान संक्रमण के नए केंद्र (हॉटस्पॉट) के रूप में उभरे। रूस में गत 24 घंटे में कोविड-19 के 9,263 नए मामले सामने आए हैं, इसके साथ ही कुल संक्रमितों की संख्या तीन लाख के करीब पहुंच गई है। रूस के कुल संक्रमितों में 50 फीसद अकेले मॉस्को में हैं। रूस के प्रशासन के मुताबिक अबतक 2,837 लोगों की कोरोना वायरस से मौत हुई है। हालांकि, इन आंकड़ों पर अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने सवाल उठाए हैं। रूस का दूसरा सबसे बड़ा शहर सेंट पीटर्सबर्ग प्रमुख संक्रमण केंद्र के रूप में उभरा है। प्रशासन ने अतिरिक्त एहतियात के तहत अब सभी शवों को बंद ताबूत में दफनाने का निर्देश दिया है, चाहे मौत का कारण कुछ भी हो। पहले यह निर्देश केवल कोविड-19 से होने वाली मौतों के मामले में शवों को दफनाने के लिए था। संक्रमण के मामले में रूस अब केवल अमेरिका से पीछे है जहां 15 लाख लोग

संक्रमित हुए हैं और करीब 90 हजार लोगों ने कोविड-19 से जान गंवाई है।

लातिन अमेरिका में अबतक 4,83,400 लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हो चुकी है और 30,900 लोगों की मौत हुई है। संक्रमितों की संख्या सबसे अधिक ब्राजील में है जो सोमवार शाम को 2,50,000 कोविड-19 मरीजों के साथ दुनिया का तीसरा सबसे प्रभावित देश बन गया। यह स्थिति तब है जब सीमित संख्या में जांच हो रही है। रियो डी जेनिरियो और साओ पाउलो में गहन चिकित्सा बिस्तर 85 प्रतिशत तक भर चुके हैं। कुछ देशों में नये सिरे से संक्रमण फैलने से खतरे की घंटी बज गई है। ईरान जहां पर अप्रैल महीने में नये संक्रमितों की संख्या में गिरावट आई थी वहां मई में फिर से मामले बढ़ रहे हैं। भारत में कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या एक लाख के पार हो गई है और उन राज्यों में मामले बढ़ रहे हैं जहां पर लॉकडाउन की वजह से कामधंधा छूटने के बाद प्रवासी कामगार आ रहे हैं।

13 फीसद संग्रहालय शायद दोबारा कभी नहीं खुल पाएं बलूचिस्तान में आतंकी हमले, सात पाकिस्तानी सैनिकों व वाहन चालक की मौत

संयुक्त राष्ट्र, 19 मई (भाषा)।

संयुक्त राष्ट्र की सांस्कृतिक एजंसी ने आगाह करते हुए कहा कि हो सकता है विश्व में 13 फीसद संग्रहालय कभी दोबारा ना खुलें। वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण विश्वभर में करीब 90 फीसद संग्रहालय अभी बंद हैं। अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस (सोमवार को) पर संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक व सांस्कृतिक संगठन (युनेस्को) और अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय परिषद (आइसीओएम) द्वारा जारी किए दो अध्ययनों में कहा गया कि कोविड-19 का संग्रहालयों पर काफी असर पड़ा है, करीब 90 फीसद या 85,000 से अधिक संस्थान लंबे समय से बंद हैं। वहीं अफ्रीका और छोटे द्वीपों पर स्थित विकासशील देशों (एसआइडीएस) में केवल पांच फीसद ही दर्शकों को ऑनलाइन सामग्री मुहैया करा सकते हैं। एजंसी ने बताया में कहा, ‘विश्वभर में करीब 13 फीसद संग्रहालय शायद कभी दोबारा नहीं खुलेंगे।’ दोनों अध्ययन संग्रहालय और संग्रहालय संस्थानों पर कोविड-19 के प्रभाव का आकलन करने के लिए किए गए। इसमें कई देशों के लोगों और संग्रहालय पेशेवरों को भी शामिल किया गया। इनका लक्ष्य यह है कि महामारी से कैसे निपट रहा है और इन संस्थानों की कैसे मदद की जाए, यह पता लगाना भी था। यूनेस्को की महानिदेशक ऑइ एंजोले ने कहा, ‘संग्रहालय समाज को बदलने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।’

यूपी व बिहार पैदल लौट रहे प्रवासी कामगारों को शिविरों में भेजा

कन्नूर (केरल), 19 मई (भाषा)।

केरल से उत्तर प्रदेश और बिहार स्थित घरों को जाने के लिए पैदल ही निकले कम से कम 100 प्रवासी कामगारों को पुलिस ने मंगलवार को रोककर उन्हें उनके शिविरों में वापस भेज दिया।

कामगारों का आरोप है कि उन्हें शिविरों में पर्याप्त मात्रा में खाना नहीं मिल रहा है और न ही सरकार उनके लौटने के लिए रेलगाड़ियों की व्यवस्था कर रही है। उत्तर प्रदेश और बिहार के कामगारों ने कहा, ‘हम अपने गृह प्रदेशों को लौटना चाहते हैं। दिन में एक बार खाना दिया जा रहा है और हमारे पास पैसे नहीं है। कोई काम भी नहीं है।’ पानी की बोतल और अपना

सरकारी अस्पताल में संक्रमितों के इलाज की याचिका हाई कोर्ट में खारिज

नई दिल्ली, 19 मई (भाषा)।

दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा है कि कोरोना विषाणु से संक्रमित और अन्य गंभीर रूप से बीमार लोगों को तुरंत अस्पताल में भर्ती करने और उन्हें पर्याप्त इलाज मुहैया कराने के वास्ते आप सरकार को निर्देश देने के लिए दायर जनहित याचिका में अहम तथ्यों की कमी है।

न्यायमूर्ति विपिन सांधी और न्यायमूर्ति रजनीश भटनागर की पीठ ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए

- उत्तर प्रदेश और बिहार के कामगारों ने कहा, ‘हम अपने घर लौटना चाहते हैं। दिन में एक बार खाना दिया जा रहा है और हमारे पास पैसे नहीं है। कोई काम भी नहीं है।’ पानी की बोतल और अपना कुछ समान लेकर ये कामगार प्लाईवुड उद्योग के केंद्र वल्लभपटनम से घरों के लिए निकले थे लेकिन रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवानों ने उन्हें देखा और इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी।

कुछ समान लेकर ये कामगार प्लाईवुड उद्योग के केंद्र वल्लभपटनम से घरों के लिए निकले थे लेकिन रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवानों ने उन्हें देखा और इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी।

कुछ मजदूरों ने आरोप लगाया कि चार व्यक्तियों के परिवार को केवल दो किलो गहुं मिल रहा है और सवाल किया कि ऐसे में वे कैसे गुजारा करें। कामगार सुशील कुमार ने कहा, ‘हम घर जाना चाहते हैं। हम यहां तक कि घर पैदल जाने को तैयार हैं।’ कामगारों के इन समूहों को पुलिस ने रोका और पूछताछ के बाद शिविरों में वापस भेज दिया। बाद में इन प्रवासी कामगारों को केरल राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों से संबंधित शिविरों में भेजा गया।

इस बीच, जिले के अधिकारियों ने कहा कि कामगारों की शिकायतों पर गौर किया जाएगा। 15 मई तक 29 श्रमिक विशेष रेलगाड़ियों से करीब 33 हजार प्रवासी कामगारों को केरल से उनके गृह प्रदेश भेजा गया है।

अनुमति मांगी। हम पाते हैं कि इसमें मामले के गुण-दोष को प्रभावित करने वाले अहम तथ्यों का अभाव है। उन्होंने कहा कि वह अहम तथ्यों के साथ एक बेहतर याचिका दायर करेंगे। अदालत ने कहा कि लिहाजा याचिका वापस लेने की इजाजत के साथ खारिज की जाती है। पीठ ने कहा, हम साफ कर दें कि अगर याचिकाकर्ता लेने न यूं ही कोई दूसरी याचिका दायर की तो अदालत का समय व्यर्थ करने के लिए उनपर जुर्माना लगाया जाएगा।

मुंबई के अस्पताल कोरोना विषाणु के बढ़ते मामलों से जूझ रहे हैं वहीं निगम और राज्य सरकार के अस्पतालों के बाह्य रोगी विभागों (ओपीडी) में इलाज के लिए गैर कोविड-19 मरीजों की लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं। इससे राज्य और निगम संचालित अस्पतालों पर दबाव ही नहीं बढ़ा है बल्कि गैर कोविड-19 मरीजों खासकर गर्भवती महिलाओं की उपेक्षा हो रही है।

सरकारी केईएम अस्पताल और इसके बगल में वृहन्मुंबई महानगरपालिका द्वारा

संचालित नायर अस्पताल अध्ययन का विषय हो सकते हैं कि कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण अस्पतालों के संसाधन कितने सीमित हो चुके हैं। नायर अस्पताल को कोविड-19 के मरीजों के लिए समर्पित कर दिया गया और मरीजों से अस्पताल के पूरी तरह भर जाने पर सरकार ने संक्रमण से प्रभावित लोगों के इलाज के लिए केईएम अस्पताल में 400 बेड को आरक्षित कर दिया। इससे गैर कोविड-19 मरीजों पर गहरा असर पड़ा है। ऐसे में अस्पताल की ओपीडी

- निजी अस्पताल गर्भवती महिलाओं को भेज रहे हैं सरकारी अस्पतालों में
- मुंबई के सभी सरकारी अस्पतालों में प्रसव के मामलों में इजाफा हुआ

संचालित नायर अस्पताल अध्ययन का विषय हो सकते हैं कि कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण अस्पतालों के संसाधन कितने सीमित हो चुके हैं। नायर अस्पताल को कोविड-19 के मरीजों के लिए समर्पित कर दिया गया और मरीजों से अस्पताल के पूरी तरह भर जाने पर सरकार ने संक्रमण से प्रभावित लोगों के इलाज के लिए केईएम अस्पताल में 400 बेड को आरक्षित कर दिया। इससे गैर कोविड-19 मरीजों पर गहरा असर पड़ा है। ऐसे में अस्पताल की ओपीडी

कोरोना पर डब्लूएचओ की जवाबी कार्रवाई की होगी जांच

जिनेवा, 17 मई (एफपी)।

कोरोना वायरस महामारी से निपटने में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के तौर तरीके की अमेरिका द्वारा की जा रही निंदा के बीच, डब्लूएचओ के सदस्य देश इस वैश्विक संकट के प्रति संयुक्त राष्ट्र की इस एजंसी की जवाबी कार्रवाई की स्वतंत्र जांच पर मंगलवार को सहमत हो गए। डब्लूएचओ की वार्षिक सभा में हिस्सा ले रहे देशों ने इस संकट के प्रति संयुक्त जवाबी कार्रवाई की अपील करते हुए आम सहमति से एक प्रस्ताव पारित किया। पहली बार यह सभा आभासी रूप से हुई।

यूरोपीय संघ द्वारा पेश प्रस्ताव में इस महामारी के प्रति अंतरराष्ट्रीय जवाबी कार्रवाई के निष्पक्ष, स्वतंत्र व समग्र मूल्यांकन की मांग की गई है। प्रस्ताव में कहा गया कि जांच में यह शामिल हो कि कोविड-19 महामारी के संबंध में डब्लूएचओ ने कब-कब, कौन कौन से कदम उठाए। अमेरिका ने इस आम सहमति से अपने आप को अलग नहीं किया जैसा कि कुछ देशों को आशंका थी। अमेरिका ने इस सभा के पहले दिन सोमवार को डब्लूएचओ को फटकार लगाई थी और चीन की भी, उसकी भूमिका को लेकर निंदा की थी।

डोनाल्ड ट्रंप ले रहे हैं मलेरिया की दवा, विशेषज्ञों ने असुरक्षित करार दिया

वाशिंगटन, 19 मई (भाषा)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वह कोरोना विषाणु से बचने के लिए मलेरिया रोधी दवा ‘हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन’ ले रहे हैं। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि ऐसा करना असुरक्षित हो सकता है। ट्रंप के जानकारी देने के कुछ देर बाद ही वाइट हाउस के डॉक्टर सीन पी. कॉनले ने कहा कि राष्ट्रपति एकदम स्वस्थ हैं और उनमें कोविड-19 के कोई लक्षण नहीं हैं।

ट्रंप ने वाइट हाउस में पत्रकारों से कहा, ‘मैं करीब डेढ़ सप्ताह से यह (हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन) ले रहा हूं।’ इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उन्हें कोविड-19 के कोई लक्षण नहीं हैं। अमेरिका में पिछले तीन महीने में इस महामारी से 90 हजार से अधिक लोग मारे गए हैं। ट्रंप ने कहा, ‘वाइट हाउस के

‘कूड़ामुक्त पांच सितारा’ शहरों में राजकोट, इंदौर, नवी मुंबई शामिल

दिल्ली को मिली तीन सितारा रेटिंग

नई दिल्ली, 19 मई (भाषा)।

सरकार ने मंगलवार को कचरा प्रबंधन के लिए शहरों की रेटिंग जारी करते हुए छत्तीसगढ़ के आंबिकापुर और मध्य प्रदेश के इंदौर सहित छह शहरों को ‘कूड़ा मुक्त पांच सितारा शहर’ घोषित किया। केंद्र ने कहा कि कोविड-19 महामारी से निपटने में स्वच्छ भारत मिशन सबसे बड़ी ताकत है।

आवास एवं शहरी मामलों के केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कूड़ा मुक्त शहरों की स्टार रेटिंग के परिणामों की घोषणा की। कुल 141 शहरों की रेटिंग हुई है इनमें छह को पांच सितारा, 65 को तीन सितारा और 70 को एक सितारा मिला है। अंबिकापुर और इंदौर के अलावा गुजरात के राजकोट और सूरत, कर्नाटक के मैसूर और महाराष्ट्र के नवी मुंबई को भी पांच सितारा रेटिंग मिला है। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली, करनाल, चंडीगढ़, आंध्र प्रदेश का तिरुपति, विजयवाड़ा, छत्तीसगढ़ का भिलाई नगर और गुजरात का अमदाबाद, मध्य प्रदेश का भोपाल और झारखंड का जमशेदपुर ‘तीन सितारा कूड़ा मुक्त रेटिंग’ वाले शहरों हैं।

वहीं दिल्ली छावनी, रोहतक (हरियाणा), ग्वालियर, वडोदरा, भावनगर उन शहरों में

में आने वाले मरीजों की लंबी-लंबी कतारें लग रही है। केईएम अस्पताल के डीन डॉ हेमंत देशमुख ने बताया, ‘हम मरीजों को मना नहीं कर सकते। हालांकि, बेड की उपलब्धता बड़ी चुनौती है। अपने बीमार परिजन के लिए बेड पाने की उम्मीद में कई लोगों को रात तक इंतजार करना पड़ा।’ अधिकारी ने बताया कि राज्य प्रशासन पर कोविड-19 के मरीजों के वास्ते और चिकित्सा सुविधा तैयार करने का भी काफी दबाव है। मौजूदा

में आने वाले मरीजों की लंबी-लंबी कतारें लग रही है। केईएम अस्पताल के डीन डॉ हेमंत देशमुख ने बताया, ‘हम मरीजों को मना नहीं कर सकते। हालांकि, बेड की उपलब्धता बड़ी चुनौती है। अपने बीमार परिजन के लिए बेड पाने की उम्मीद में कई लोगों को रात तक इंतजार करना पड़ा।’ अधिकारी ने बताया कि राज्य प्रशासन पर कोविड-19 के मरीजों के वास्ते और चिकित्सा सुविधा तैयार करने का भी काफी दबाव है। मौजूदा

- यूरोपीय संघ द्वारा पेश प्रस्ताव में इस महामारी के प्रति अंतरराष्ट्रीय जवाबी कार्रवाई के निष्पक्ष, स्वतंत्र व समग्र मूल्यांकन की मांग की गई है।
- प्रस्ताव में कहा गया कि जांच में यह शामिल हो कि कोविड-19 महामारी के संबंध में डब्लूएचओ ने कब-कब, कौन कौन से कदम उठाए।

मंगलवार के प्रस्ताव में देशों से कोविड-19 के खिलाफ किसी भी उपचार या टीके तक पारदर्शी, समान और समय से पहुंच सुनिश्चित करने का भी आह्वान किया गया है। वैसे यह प्रस्ताव बाध्यकारी नहीं है और उसमें किसी भी देश का उसके नाम से उल्लेख नहीं है। प्रस्ताव में इस वायरस के उद्भव के विवादास्पद मुद्दे को भी संबोधित किया गया है और डब्लूएचओ से इस वायरस के जानवर संबंधी स्रोत और उसके ईंसान में पहुंचने के मार्ग की जांच में मदद करने की अपील की गई है। यह वायरस सर्वप्रथम पिछले साल के आखिर में चीन में सामने आया था।

चिकित्सक ने दवा लेने की सलाह नहीं दी। मैंने उनसे पूछा था कि उनका इस बारे में क्या विचार है ? उन्होंने कहा कि क्या आप दवाई लेना चाहते हैं? मैंने कहा कि हां, मैं दवाई लेना चाहता हूं।' ट्रंप ने कहा कि वह रोज मलेरिया रोधी दवा की एक गोली लेते हैं। उन्होंने कहा, ‘मैं रोज एक गोली लेता हूं। कुछ समय बाद मैं इसे लेना बंद कर दूंगा। मैं चाहता हूं कि इसका इलाज मिले या इसका टीका बने और यह एक दिन जरूर होगा। मुझे लगता है कि बहुत जल्द ऐसा होगा।' हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन (एचसीक्वू) मलेरिया रोधी सबसे पुरानी और जानी-मानी दवाओं में से एक है। ट्रंप इस दवा को कोरोना विषाणु के खिलाफ लड़ाई में ‘बाजी पलटने वाली’ दवा करार दे चुके हैं। ट्रंप द्वारा एचसीक्वू को बर-बार कोरोना विषाणु की दवा बताए जाने के बाद एफडीए ने परामर्श जारी कर कहा कि कोविड-19 के उपचार में दवा सुरक्षित और प्रभावी नहीं पाई गई है।

‘कूड़ामुक्त पांच सितारा’ शहरों में राजकोट, इंदौर, नवी मुंबई शामिल
दिल्ली को मिली तीन सितारा रेटिंग
नई दिल्ली, 19 मई (भाषा)।
● 141 शहरों की हुई रेटिंग, छह को पांच सितारा, 65 को तीन सितारा और 70 को मिला एक सितारा
● सितारा रेटिंग आकलन के लिए 1435 शहरों ने किया था आवेदन
शामिल हैं जिन्हें कूड़ा मुक्त होने के संबंध में एक सितारा दिया गया है। पुरी ने कहा कि कोविड-19 संकट के कारण सफाई और प्रभावी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी अगर शहरी इलाके में साफ-सफाई सुनिश्चित करने के लिए पिछले पांच साल में स्वच्छ भारत मिशन की महत्वपूर्ण भूमिका नहीं होती तो मौजूदा (कोविड-19 से पैदा) स्थिति और खराब होती।

आवास और शहरी मामलों के सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने कहा कि सितारा रेटिंग आकलन के लिए 1435 शहरों ने आवेदन किया था। उन्होंने कहा कि कवायद के दौरान 1.19 करोड़ नागरिकों की प्रतिक्रिया, 10 लाख से ज्यादा संग्रहित तस्वीरों का मूल्यांकन किया गया। इसके अलावा मूल्यांकन करने वाले 1210 लोगों ने 5175 ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्रों का निरीक्षण किया।

स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया, ‘गैर कोविड-19 मरीजों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है लेकिन प्रशासन को गर्भवती महिलाओं के मुद्दे के समाधान के लिए जूझना पड़ रहा है क्योंकि निजी अस्पतालों में उन्हें मना कर दिया जाता है और सरकारी अस्पतालों में भर्ती होने को कहा जाता है।’ मुंबई में निगम और राज्य सरकार के लगभग सभी अस्पतालों में प्रसव की संख्या में इजाफा हुआ है क्योंकि निजी अस्पताल उन्हें सरकारी केंद्रों में भेज देते हैं।

स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया, ‘गैर कोविड-19 मरीजों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है लेकिन प्रशासन को गर्भवती महिलाओं के मुद्दे के समाधान के लिए जूझना पड़ रहा है क्योंकि निजी अस्पतालों में उन्हें मना कर दिया जाता है और सरकारी अस्पतालों में भर्ती होने को कहा जाता है।’ मुंबई में निगम और राज्य सरकार के लगभग सभी अस्पतालों में प्रसव की संख्या में इजाफा हुआ है क्योंकि निजी अस्पताल उन्हें सरकारी केंद्रों में भेज देते हैं।



पूर्णबंदी 4.0

राजस्थान में संक्रमण : चरण दर चरण

चिकित्सा विभाग के आंकड़ों के अनुसार पहली पूर्णबंदी के 21 दिन में प्रदेश में 447 केस और 7 मौतें हुईं तो 75 मरीज ठीक भी हुए। पहली पूर्णबंदी में 8037 नमूने जांच के लिए गए। पूर्णबंदी के दूसरे चरण के 19 दिन में जांचें दोगुनी होकर 16834 हो गईं तो मरीजों की संख्या 540। मौतों की संख्या 33 हुई और ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 325 रही। प्रदेश में तीसरे चरण के लाकडाउन के 14 दिन में 20496

नमूनों की जांच में 531 केस सामने आए 22 की मौत हुई और 455 मरीज ठीक होकर भी गए। प्रदेश में अब चौथे चरण में मिली रियायतों के तहत शहर में कई तरह की गतिविधियां शुरू भी हो गई हैं और इसका आगे देखने को मिल सकता है। प्रदेश में मंगलवार से ही कई सरकारी दफ्तरों में 50 फीसद उपस्थिति के साथ कामकाज शुरू भी हुआ और सड़कों पर वाहनों की रेलमपेल भी दिखी।

मनुष्यता की मौत

मुकेश भारद्वाज

‘मैंने अनवर इसलिए बांधी कलाई पर घड़ी वक्त पृछेगे कई मजदूर भी रस्ते के बीच।’

मजदूरों तक मंत्री की वो आवाज नहीं पहुंचेगी कि आप उनका समय क्यों खराब कर रहे थे, लेकिन बहुतेों के पास तो जिंदा रहने का भी समय नहीं था। उनके पेट और उम्मीदें इतने खाली थे कि चलने के अलावा और कुछ सोच भी नहीं सकते थे। जंगल को काट कर सीमेंट की जो सड़क बनाई थी चिलचिलाती धूप में नंगे पांवों को कोयले की तरह जला रही थी। पैर में चप्पल नहीं है लेकिन मुंह पर मास्क है। कोरोना काल में बिना मास्क चलना अपराध है तो देखिए ये कानून का कितना सम्मान करते हैं। वो आपकी मजबूरी समझते हैं कि नंगे पांव और खाली पेट चलना न तो अपराध घोषित होगा और न ही उसकी जिम्मेदारी तय होगी। एक स्त्री खाली पेट चल रही है और उसके गर्भ में एक और पेट खाली है। खाली पेट के अंदर का वो खाली पेट सोच रहा है कि मेरी मां मेरा बोझ ढोकर चल सकती है लेकिन उसकी भूख का बोझ उठानेवाली सभ्यता अब तक विकसित क्यों नहीं हो पा रही है, कहां जाकर मनुष्यता का गर्भपात हो रहा है।

कोरोना का संकट पूरी दुनिया का है। लेकिन भारत की सड़कों जितना अमानवीय रूप कहीं नहीं दिखा। जब विमान, रेल, गाड़ी सब बंद हो गए तो सड़कों पर छूटे हुए लोग चल पड़े। अभी तो दुनिया के सारे दृश्य उपग्रह में कैद हो रहे हैं। उपग्रह से बनी होगी तस्वीर पूर्णबंदी के समय चलना शुरू कर चुके मजदूरों की। उपग्रह से तो चीटी की तरह दिखे होंगे अभी, लेकिन हमने क्या नागरिक की तरह इन्हें कभी देखा भी था? बाजार और कारखाने की जरूरतों को पूरा करने के बाद चीटी की तरह असुविधाओं और बदइतजामी के बिल में घुस जाते थे। पूर्णबंदी के समय जिम्मेदारों को नहीं दिखे थे बिल। घरों में सुरक्षित बैठ खाना खा रहे लोगों के उलट इनकी भूख का कोई इंतजाम नहीं था तो निकल पड़े अपनी उस मिट्टी की ओर जहाँ से उम्मीद है कि अब भी बूढ़ी मां हर शाम बनाती है उनके हिस्से की एक रोटी और सुबह देती है गाय को। अगर घर तक पहुंच कर मर भी गए तो बुढ़ा बाप देगा चिता को आग और कब्र की मिट्टी में होगी अपनों के आंसुओं की नमी। लेकिन बहुतेों को तो यह भी नसीब कहां था कि अपनों के बीच मरें। मां को पता चला कि जो बेटा उसकी मीठी लोरी के बाद नरम गोद में मुश्किल से सोता था आज उसे जंगल के बीच लोहे की पटरी पर ऐसी नींद आई कि बंद रस् से कट कर मर गया। रेल उसके बेटे को गांव तक नहीं पहुंचा

सूनी सड़कों पर दम तोड़ते **ये कौन लोग हैं?** ये देश के नागरिक हैं, स्वतंत्र ईंसान या उत्पादन का साधन भर यानी **बंधुआ मजदूर? कारखाने का इंजन** चलाते, सड़क, बहुमंजिला इमारत बनाने के बाद इनकी क्या उपयोगिता थी? अगर कभी ये सड़क पर अपनी मांग को लेकर आते थे तो हम इन्हें नुकसान के रूप में ही देखने के आदी थे। लेकिन जब सब कुछ बंद हो गया तो किसी ने भी इनके नुकसान के बारे में नहीं सोचा।



पाई लेकिन गांव तक पहुंचने में उसके थके शरीर को कुचलने जरूर पहुंच गई। गांव तक रेल लाई भी तो उसकी लाश। ट्रक में जानवर की तरह दब कर बैठ गए तो मॉजिल पर पहुंचने से पहले मिली मौत। मजदूरों के पसीने से बनी सड़क जब उनके ही खून से लाल हो गई है तो इसका जिम्मेदार कौन, ये सवाल पुछना ही इनकी मौत का अपमान करना है। इनसे बड़ा शहीद कौन होगा जिन्होंने किसी से कुछ नहीं मांगा। हमारी जरूरतों को पूरा करनेवालों को जब हम बोझ समझने लगे तो पैदल चल पड़े सैकड़ों किलोमीटर दूर अपनी गर्भनाल के पास।

सूनी सड़कों पर दम तोड़ते ये कौन लोग हैं? ये देश के नागरिक हैं, स्वतंत्र ईंसान या उत्पादन का साधन भर यानी बंधुआ मजदूर? कारखाने का इंजन चलाते, सड़क, बहुमंजिला इमारत बनाने के बाद इनकी क्या उपयोगिता थी? अगर कभी ये सड़क पर अपनी मांग को लेकर आते थे तो

हम इन्हें नुकसान के रूप में ही देखने के आदी थे। लेकिन जब सब कुछ बंद हो गया तो किसी ने भी इनके नुकसान के बारे में नहीं सोचा।

पुलिस की लाठी खाते और हादसों में मरते मजदूरों के प्रति राज्य की भूमिका को कैसे देखें? सड़क पर निकले इन मजदूरों की यह संख्या करोड़ों में है। ज्यादातर मजदूर बिहार, बंगाल, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों से पलायन कर आए हैं जिनकी आर्थिक हालत पहले से खस्ताहाल है। ये राज्य कृषि प्रधान हैं जहां लोगों को मौसमी रोजगार ही मिल सकता है। नवउदारवादी अर्थव्यवस्था के विकास ने बड़ी संख्या में गांवों पर निर्भर मजदूरों को शहर भेज दिया। कुछ तो पलायन होकर शहर पर निर्भर हो गए, स्थायी रोजगार में चले गए। लेकिन अभी भी बहुत बड़ा तबका है जिसे सालों भर खेत में काम नहीं मिलता है। ऐसी स्थिति में वह कुछ समय के लिए बाहर निकलता है और खेती के समय में लौट जाता है। महानगरों में प्रवासी

मरीजों और मौत ने झकझोर दिया

राजीव जैन जयपुर

कोरोना संक्रमण के पूर्णबंदी के चौथे दौर में प्रवेश के साथ ही राजस्थान देश भर में पांचवें स्थान पर बना हुआ है। प्रदेश में मंगलवार तक कोरोना मरीजों का आंकड़ा 5 हजार 629 को पार कर गया। राजस्थान के सबसे बड़े दोनों शहर जयपुर और जोधपुर में कोरोना ने हालात को चिंताजनक बना दिया है। इसके साथ ही तालाबंदी के तीसरे चरण के आखिर में उदयपुर और आदिवासी बहुल डूंगरपुर जिले में कोरोना विस्फोट ने सरकार को भी सकते में डाल दिया। जयपुर जेल में तो करीब 150 कैदी और स्टाफ कोरोना से संक्रमित हो गए। प्रदेश के करीब 70 फीसद मरीज और इतनी ही मौतें इन दोनों शहरों की है। प्रदेश में तालाबंदश्रमिकों को लेकर बन गई है।

प्रदेश में अब तक ग्रीन जोन में शामिल कई जिले अब प्रवासी श्रमिकों के कोरोना संक्रमित पाए जाने पर ऑरेंज जोन में आ गए हैं। प्रवासी श्रमिकों के कोरोना पीड़ित मिलने का सिलसिला शुरू होते ही मंगलवार सवेरे प्रदेश में जो 122 नए मरीज सामने आए, उनमें प्रवासियों की संख्या ही 103 है। इसके साथ ही चौथे चरण में मिली कई रियायतों के कारण अब कई इलाकों में आवाजाही भी बंद गई है तो दुकान शुरू हो गई हैं पर हालात अभी भी दूसरे और तीसरे चरण की तालाबंदी वाले ही दिख रहे हैं। जयपुर में तो रामगंज इलाके में ही शहर के 80 फीसद मरीज हैं। प्रदेश में मंगलवार सवेरे तक 5 हजार 629 मरीज सामने आ चुके थे और 139 मौतें हो गई थीं। तालाबंदी के तीसरे चरण में मिली रियायतों के बावजूद लोगों में अभी भी भय का माहौल बना हुआ है। प्रदेश में अब प्रवासी मजदूरों की आवाजाही का दौर चलने से भी प्रशासन के स्था लोगों की चिंता बड़ गई

राजस्थान

प्रदेश के चिकित्सा विभाग के आंकड़ों के हिसाब से 33 में से 31 जिलों में कोरोना फैल चुका है। इनमें भी जयपुर और जोधपुर ही ऐसे जिले हैं जहां प्रदेश के 70 फीसद मरीज हैं। चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा का कहना है कि राज्य में अभी तक 2 लाख 43 हजार से ज्यादा जांचें हो गई हैं। इनमें भी 70 हजार से ज्यादा जयपुर और जोधपुर में हुई हैं। इसके साथ ही प्रदेश में ठीक होने वाले मरीजों की तादाद भी देश में सबसे ज्यादा है। जयपुर में 1625 मरीजों में से 983 ठीक हो गए हैं और अब 532 ही एक्टिव मरीज हैं। इसी तरह से जोधपुर में 1071 मरीज हैं और 787 ठीक हो चुके हैं। जयपुर के सबसे बड़े हाटस्पॉट बने रामगंज इलाके में हालात नियंत्रण में है और बड़ी संख्या में लोगों को एकांतवास में भेज कर सफलता की तरफ कदम बढ़ाए गए हैं। सरकार का ध्यान अब जयपुर और जोधपुर में हालात संभालने पर है। प्रदेश में जांच का वाया बढ़ाया जा रहा है।

चिकित्सा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव रोहित कुमार सिंह का कहना है कि योजना बना कर कोरोना के हाटस्पॉट पर लगातार निगरानी की जा रही है। जयपुर और जोधपुर के अलावा कोटा में 313, अजमेर में 257, टोंक 150, उदयपुर में 411, नागौर 190, भरतपुर 129 मामले होने से इन शहरों पर भी निगरानी रखी जा रही है।

विभाग ने भीलवाड़ा जैसे छोटे शहर को मांच और

अप्रैल के मध्य में ही नियंत्रित कर लिया था। भीलवाड़ा में सोमवार को एक साथ 26 कोरोना मरीज मिलने से हड़कंप मच गया। इनमें ज्यादातर प्रवासी राजस्थानी ही हैं। राजस्थान में कोरोना मरीजों के इलाज को लेकर पूरी तरह से गंभीरता बरती जा रही है।

सुनील दत्त पांडेय देहरादून।

उत्तराखंड 22 मार्च से कोरोना महामारी के कारण पूर्णबंदी का दंश झेल रहा है जिस वजह राज्य की अर्थव्यवस्था पटरी से उतरती हुई दिखाई दे रही है। राज्य के उद्योग धंधे पर्यटन बागवानी खेती-बाड़ी धार्मिक तीर्थोतन ट्रेवल व्यवसाय और फिल्मोद्योग व्यवसाय पर बहुत विपरीत असर पड़ा है। राज्य के चारों धामों बदीनाथ केदारनाथ गंगोत्री यमुनोत्री के कपाट तो खुल गए हैं परंतु पूर्ण बंदी की वजह चारधाम के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं के आने पर पाबंदी लगी हुई है। सिखों के पवित्र धाम हेमकुंड साहिब के कपाट भी खुले ही नहीं हैं।

सावन के महीने में हरिद्वार ऋषिकेश में लगने वाले कांवड़ मेले पर भी अभी से प्रश्न चिन्ह लगा हुआ है। 15 दिन तक चलने वाले इस मेले में तीन से चार करोड़ तक लोग आते हैं और करीब 2 अरब रुपए का स्थानीय व्यापारियों का व्यवसाय इस दौरान चलता है। उत्तराखंड की आर्थिक रीढ़ कहलाए जाने वाले सिडकुल औद्योगिक क्षेत्र वीरान पड़ा है। जिला उद्योग विभाग की महाप्रबंधक अंजलि रावत के मुताबिक हरिद्वार ,भगवानपुर ,लक्सर, देहरादून ,पंतनगर ,रूद्रपुर में सिडकुल क्षेत्र में छोटे-बड़े उद्योग लगभग 64 हजार 827 की तादाद में हैं जिनमें करीब 4 लाख 50 हजार की तादाद में लोग बाग काम करते हैं।

उत्तराखंड सिडकुल मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष हरेंद्र गर्ग के मुताबिक राज्य में इस समय उद्योग 40 फीसद ही चल रहे हैं और जिनमें उत्पादन भी करीब 30 से 40 फीसद तक हो रहा है और पूर्णबंदी के बाद करीब 25 से 30 फीसद प्रवासी श्रमिक उत्तराखंड से अपने-अपने प्रदेशों में जा चुके हैं। पूर्ण बंदी के कारण उत्तर प्रदेश के सहारनपुर, बिजनौर ,मुग़दादवा ,पीलीभीत से इन उद्योग

धंधों में काम करने वाले मजदूर भी नहीं आ पा रहे हैं। दूसरे माल की ढुलाई के साधन भी पूर्णबंदी के कारण उपलब्ध नहीं है। परंतु वही पूर्व बंदी के समय राज्य के दवा उद्योग ने दवा उत्पादन में महत्त्वपूर्ण सहयोग दिया है। सिडकुल हरिद्वार के एकम्स दवा उद्योग के प्रबंध निदेशक संदीप जैन का कहना है कि अन्य उद्योग धंधों के मुकाबले राज्य का दवा उद्योग पूर्णबंदी में अपनी क्षमताओं का करीब 70 से 80 फीसद इस्तेमाल करने में सफल रहे हैं और उत्तराखंड का दवा उद्योग देश के दवा उत्पादन में करीब का 20 से 25 फीसद योगदान करता है।

तीसरे चरण में कोरोना संक्रमित मरीजों की तादाद में एकदम उछाल आया और जो बढ़कर 104 हो गई। 12 मई से राज्य के विभिन्न प्रांतों में रह रहे उत्तराखंड प्रवासियों के आने का सिलसिला शुरू हुआ तब से 8 दिन में कोरोना संक्रमित मरीजों की तादाद में एकदम उछाल आया। 11 मई को राज्य में कोरोना संक्रमित मरीजों की तादाद 68 थी जिनमें से 46 ठीक होकर घर चले गए थे केवल 21 मरीजों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल

रहा था और उत्तराखंड में ठीक होने वाले मरीजों का फीसद 67.65 था और जो घटकर 50 फीसद रह गया है। राज्य के 13 जिलों में से 6 पर्वतीय जिले बागेश्वर, चमोली ,चंपावत ,पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग और टिहरी कोरोना महामारी से दूर थे परंतु आज 8 दिन बाद केवल तीन पहाड़ी जिले ही पिथौरागढ़ ,रुद्रप्रयाग और टिहरी उत्तराखंड के मुख्य सचिव उत्पल कुमार सिंह ने बताया कि उत्तराखंड के प्रवासियों में से 2 लाख 30 हजार 798 प्रवासियों ने राज्य में आने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कराया है जिनमें से 1 लाख 11 हजार 713 प्रवासियों को लाए जा चुके हैं। राज्य के मुख्यमंत्री त्रिवेद सिंह रावत का कहना है कि राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए हमने विच विशेषज्ञों की एक समिति का गठन पूर्णबंदी के पहले चरण में किया था।

उत्तराखंड

लाखों मजदूरों के पलायन से उद्यमियों-किसानों की सांसें अटकी

संजीव चंडीदा।

हरियाणा से पूर्णबंदी तीन के दौरान प्रवासी मजदूरों का पलायन लगातार जारी है। और अब चौथा चरण 31 मई तक जारी रहेगा। पैदल पलायन करने वालों को पंजाब अपनी सीमा से आगे हरियाणा की तरफ धकेल देता है और हरियाणा या तो उन्हें वापस भेज देता है या फिर आगे यूपी व राजस्थान की सीमा में। तब की मजबूरी के कारण पलायन करने वाले प्रवासी मजदूर कई दिनों से दयनीय हालत में हैं और एक-दूसरे राज्यों के लिए फुटबाल बने हुए हैं। चुनाव के दौरान नेताओं के लिए बड़ा वोट बैंक बने इन प्रवासियों की तरफ अभी तक किसी ने ध्यान नहीं दिया है।

सरकार के दावे एक तरफ हैं और इन मजदूरों की बेबसी एक तरफ। हरियाणा से अब तक एक लाख 88 हजार प्रवासी मजदूर पलायन कर चुके हैं। हरियाणा से करीब नौ लाख प्रवासी मजदूरों ने अपने पैतृक राज्यों में जाने के लिए पंजीकरण

कराया है। पलायन करने वाले मजदूरों के साथ इनके बच्चे व परिवार भी हैं। इस पलायन के परिणाम हरियाणा को आने वाले कई सालों तक भुगतने पड़ेंगे।

हरियाणा के उद्योग खाली हो चुके हैं और खेतों में धान की रोपाई करने के लिए कोई मजदूर नहीं मिल रहा है। हरियाणा के ज्यादातर सरकारी स्कूलों में इन्हीं प्रवासी मजदूरों के बच्चे पढ़ते थे। पलायन के कारण सरकारी स्कूलों के भविष्य पर भी तलवार लटक चुकी है।

भारतीय किसान यूनियन के प्रधान गुरनाम सिंह चढ़नी बताते हैं कि इन दिनों खेतों के काम में भारी संकट पैदा हो गया है। गेहूं की कटाई तो मशीनों के साथ हो गई है लेकिन धान की रोपाई को लेकर संकट है। किसानों के बच्चे पढ़े-लिखे होने के कारण खेतों से मुंह मोड़ चुके हैं और नौकरी वगैरह को तरजीह दे रहे हैं। चढ़नी बताते हैं कि हरियाणा में हर साल फरवरी माह में 60 हजार प्रवासी मजदूर यूपी व बिहार से आते हैं और गेहूं की कटाई व धान की रोपाई के बाद लौटते हैं। इस साल कोरोना के कारण यह प्रवासी भी

केंद्रीय पूल में सर्वाधिक खाद्यान्न देने वाले राज्य पंजाब से प्रवासी मजदूरों के पलायन के बाद पंजाब पूरी तरह से खाली होता जा रहा है।

हरियाणा के ज्यादातर सरकारी इस दिशा में कोई प्रयास नहीं कर रही है कि इन मजदूरों को यहीं पर रोक लिया जाए। सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक पंजाब में करीब 11 लाख प्रवासी मजदूर हैं। इनमें से छह लाख अकेले लुधियाना जिला में हैं। पूर्णबंदी तीन में जब से पलायन शुरू हुआ है तब से दो लाख से अधिक प्रवासी मजदूर पंजाब छोड़कर जा चुके हैं। इससे पहले पूर्णबंदी के दूसरे चरण में पैदल तथा अपने वाहनों से चोरी-छिपे भी पंजाब से करीब 40,000 लोगों ने

हरियाणा में नहीं आए। हरियाणा सरकार ने प्रवासी मजदूरों के नाम पर केवल राजनीति की है। पहले सभी जिलों में प्रवासियों को एकत्रित कर लिया गया और फिर उन्हें भेजने के नाम पर राजनीति

की गई। पीएचडी चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री हरियाणा चैटर के चेयरमैन एवं गुरुग्राम स्थित द माल्ट कंपनी के निदेशक मोहित जैन के अनुसार

सिलाई मशीनें वह इनके कल पुर्जे मुख्य तौर पर बनाए जाते हैं। विभिन्न अन्य किस्म के उत्पादों में हौजरी का सामान है। सामान तैयार होकर अरम, उत्तर प्रदेश,

पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल, भूटान के लिए रेल और सड़क से भेजा जाता है। पंजाब के राजनीतिक व कृषि मामलों के विशेषज्ञ केवल सिंह राणा मानते हैं कि पंजाब में ज्यादातर किसान खेतीबाड़ी छोड़कर भवन निर्माण के कारोबार की तरफ आकर्षित हुए हैं। कई वर्षों से खेती का काम प्रवासी मजदूर ही संभाल रहे हैं। अब इनके

प्रवासी मजदूरों के कारण उद्योगों के सामने भी बड़ा संकट आ गया है। सरकार ने भले ही कार्यावधि आठ से बढ़ाकर 12 घंटे कर दी है लेकिन मजदूरों के अभाव में उद्योग खाली हो

पलायन से बड़ा संकट खड़ा हो गया है। इस पलायन को राजनीति से उपर उठकर रोकना होगा। पंजाबवासियों का हित इसी में है। इस पलायन का अगर नहीं रोका गया तो भविष्य में गंभीर परिणाम सामने होंगे। हैंड टूल निर्यातक एसोसिएशन के प्रधान गुरशरण सिंह का कहना है कि पंजाब उद्योग का तो वैसे ही बुरा हाल है। ऊपर से कोरोना महामारी के कारण यहां से जाने वाले श्रमिक वापस आएंगे, इसमें संशय है। पीएचडी चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री पंजाब चैप्टर के उपदेशक आरएस सचदेवा के अनुसार मजदूर चले गए तो पंजाब के उद्योग तबाह हो जाएंगे।

चुके हैं। आज हर श्रेणी के उद्योग के सामने कुशल व अकुशल मजदूरों का संकट है। सरकार को इस संकट के समाधान के लिए भी कुछ करना चाहिए।

आत्मनिर्भरता से विकास की ओर

कोरोना के वैश्विक महामारी से लड़ते-लड़ते सरकार की

भूमिका केवल इस महामारी से बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे भी निकाल कर देश को आगे चलाना है और बढ़ाना भी है। राजग सरकार ने पूरे देश में आत्मविश्वास जगाने का काम किया और मानसिक बल बढ़ाया।

केंद्र सरकार ने तात्कालिक सहायता के रूप में सरकारी प्रशासन के साथ जनता का भी सहयोग लिया और तुरंत राहत देने हेतु पीडीएस योजना के माध्यम से राशन की आपूर्ति की। पु्प्त राशन की घोषणा की। शेल्टर होम में रहने वाले सभी लोगों के लिए तीन वक्त खाने की व्यवस्था बना कर तुरंत राहत देने का काम किया।

सरकार ने केवल तात्कालिक ना सोच कर 20 लाख करोड़ इतनी बड़ी रकम जो देश की जीडीपी का 10 फीसद है, उसका प्रावधान इस आपदा के लिए किया है। फ्रांस, इटली, इंग्लैंड और चीन इन देशों की जीडीपी फीसद से बढ़कर यह रकम जनता को देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भरता का संकल्प भी लिया है। आत्मनिर्भरता से आत्मविश्वास की वृद्धि होती है और समृद्धि का रास्ता प्रशस्त होता है। स्वदेशी से समृद्धि और समृद्धि से सशक्त भारत का मूलमंत्र दिया गया है। करोड़ों रुपए उज्ज्वला गैस की लाभार्थी महिलाओं के खाते में सीधे जमा हुई। किसानों के खातों में सम्मान राशि पहुंची। विधवाओं व वरिष्ठ नागरिकों के खाते में रकम गई। गरीब, मजदूर, किसान को केंद्र बिंदु में रखते हुए उद्योग व छोटे उद्योगों पर भी सरकार ने ध्यान दिया है।

भारत में 130 करोड़ का उपभोक्ता बाजार है और यही हमारा शक्तिपुंज है। हमारे पास जमीन है, काम करने वाले हाथ हैं, प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। हमने पहले ही रिकल इंडिया व मेक इन इंडिया को बढ़ावा दिया है। हमारी आत्मनिर्भरता की बानगी यह है कि आज देश में 250 से ज्यादा मोबाइल तैयार करने की इंडस्ट्री काम कर रही हैं और इसके उत्पादन में हमारा विश्व में दूसरा नंबर है। केवल विदेशी गाड़ी की जगह स्वदेशी का उपयोग इतना ही इसका अर्थ नहीं है तो विदेशी गुणवत्ता की गाड़ी का निर्माण इस देश में करने की बात उसमें निहित है। प्रवासी मजदूर, खेतिहर कामगार, देश का किसान, छोटा उद्यमी सभी प्रकार के लोगों को मदद के साथ साथ हिम्मत विश्वास और आगे जाने के लिए सहूलियत का इजाजा सरकार ने दिया है। यह सही है कि हर बदलाव के पहले उठराव जरूर आता है पर हम यहां रुकने वाले नहीं हैं।

—**श्याम जाजू**, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, भाजपा

मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो गई है : शिवराज

भोपाल, 19 मई (भाषा)।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कोविड–19 के कारण प्रदेश की अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो गई है लेकिन राज्य सरकार ने जरूरतमंदों की सहायता के लिए 16 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि उनके खातों में डाली है।

चौहान ने सोमवार रात दूरदर्शन के माध्यम से प्रदेश की जनता को संबोधित करते हुए कहा, कोरोना के कारण जब प्रदेश की अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो गई, तब हमने गरीबों, मजदूरों, किसानों, बच्चों, माताओं, बहनों आदि की सहायता के लिए 16,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि उनके खातों में डाली है, जिससे समाज के किसी भी वर्ग को दिक्कत एवं तकलीफ न होने पाए। उन्होंने कहा, ‘प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस संकट से ध्वस्त अर्थव्यवस्ा को दोबारा खड़ा करने के लिए विश्विन आर्थिक पैकेज दिए हैं। हम इन्हें आदर्श रूप से जमीन पर उतारेंगे।’

चौहान ने कहा, प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत का मंत्र दिया है, हम उस पर चलकर मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाएंगे। इसके लिए खाका तैयार किया जा रहा है तथा उसे शीघ्र ही आपके समक्ष रखा जाएगा। सब मिल कर

श्रीनगर में मार गिराए गए हिज्बुल के दो आतंकवादी

पेज १ का बाकी

सड़कों पर उतर आए। जुनय सहराई मार्च 2018 से लापता था और बाद में एके–47 थामे हुए उसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। सहराई ने कश्मीर विश्वविद्यालय से एमएलए की अपनी डिग्री पूरी की थी। यह पहला ऐसा मामला है, जहां जम्मू कश्मीरी के किसी अलगाववादी नेता का बेटा आतंकी संगठन में शामिल हुआ। घाटी लौटने और हिज्बुल मुजाहिदीन में शामिल होने से पहले वह दिल्ली में कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम कर चुका था।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि श्रीनगर के नवाकदल के अभियान में दो आतंकवादी मारे गए। मौके से हथियार और गोला-बारूद जब्त किए गए हैं। मुठभेड़ के दौरान आतंकवादियों की गोलीबारी में सीआरपीएफ का एक जवान और जम्मू कश्मीर पुलिस का एक जवान घायल हुआ है। अधिकारियों के मुताबिक, आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद सोमवार रात को पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ देर रात करीब दो बजे शुरू हुई और उसके बाद करीब पांच घंटे तक कोई गोली नहीं चली। इसके बाद सुबह करीब आठ बजे एक बार फिर आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ शुरू हो हुई। एहतियात के तौर पर शहर में बीएसएनएल पोस्टपेड सेवा को छोड़ कर सभी मोबाइल इंटरनेट और सभी मोबाइल फोन सेवाएं बंद कर दी गई हैं।

डब्लूएचओ के कार्यकारी बोर्ड चेयरमैन के लिए हर्षवर्धन नामित

पेज १ का बाकी

डब्लूएचओ के कार्यकारी बोर्ड को संगठन की असेंबली में लिए गए निर्णय को लागू करना होता है। बोर्ड के चेयरमैन को डब्ल्यूचओ के महानिदेशक ट्रेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस के साथ काम करना होता है। सुत्रों के मुताबिक के मुताबिक कार्यकारी बोर्ड के चेयरमैन के पद का चुनाव एक औपचारिकता मात्र है। इस पद पर डॉक्टर हर्षवर्धन का चुनाव जाना तय है। गौरतलब है कि पिछले साल ही यह तय किया गया था कि कार्यकारी बोर्ड के चेयरमैन के रूप में नई दिल्ली को चुना जाएगा। चेयरमैन का पद हर साल बारीबारी से क्षेत्रीय समूह को मिलता है। डॉक्टर हर्षवर्धन जापान के स्वास्थ्य मंत्री के अंतरराष्ट्रीय मामलों के सलाहकार डॉक्टर एच नकतानी की जगह लेंगे।

घर लौट रहे 17 मजदूरों की सड़क दुर्घटनाओं में मौत

पेज १ का बाकी

गए। सभी प्रवासी मजदूर दिल्ली से पैदल अपने गृह जिले महोबा आ रहे थे।

महोबा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) मणिलाल पाटीदार ने मंगलवार को बताया कि करीब 20–25 प्रवासी मजदूर पैदल आ रहे थे और हरपालपुर के पास सभी एक डीसीएम ट्रक में सवार हो गए। पनवाड़ी थाना क्षेत्र में झांसी–मिर्जापुर राजमार्ग में महुआ मोड़ के पास रात करीब साढ़े नौ बजे अचानक वाहन का पिछला टायर फटने से वह अनियंत्रित होकर खाई में पलट गया, जिससे उसमें सवार प्रवासी मजदूर क्रशर के सामान के नीचे दब गए।

मजदूरों को क्रैन से बाहर निकाला गया। इस घटना में संतोषी, अनिता और हीरा देवी (सभी की उम्र 30 से 38 साल के बीच) की मौत हो गई।



मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लें। हमें अभी कुछ समय और कोविड–19 के साथ जीना है और अपनी अर्थव्यवस्था को भी गति देना है।’

चौहान ने कहा, ‘हमें पूरी सावधानी के साथ एवं संतुलित रूप से चलना होगा जिससे कोरोना संक्रमण फैले नहीं और जिंदगी भी रफ्तार पकड़े। काम कटिन है परंतु हमारा हौसला बुलंद है।’ जनता के हित में उठाए गए कदमों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ‘हमारे प्रवासी मजुदर भाई–बहन बिल्कुल भी चिंता न करें। सभी को बसों एवं ट्रेनों से उनके घर तक पहुंचाया जा रहा है। इस काम के लिए 91 से अधिक ट्रेनों और हजारों बसें लगाई गई हैं।

पूर्णबंदी 4.0 ढील : दिल्ली सीमा पर चींटी की तरह रेंगे वाहन

पेज १ का बाकी
प्रवेश की अनुमति दे रही है। इस बात को ध्यान में रखते हुए कालिंदी कुंज बैराज फ्लाईओवर और डीएनडी फ्लाईओवर से होकर दिल्ली से नोएडा जाने वाले लोग अपनी यात्रा की योजना बना सकते हैं।’

उत्तर प्रदेश पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मंगलवार सुबह दिल्ली–नोएडा सीमा पर लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। उन्होंने कहा, ‘हम हर वाहन की जांच कर रहे हैं, लेकिन कभी–कभी वाहनों की संख्या बढ़ने के कारण यह बहुत मुश्किल हो जाता है। वैध पास वाले लोगों को अनुमति दी जा रही है।’ उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई पास नहीं रखे है और दवा जैसा कुछ महत्वपूर्ण सामान ले जा रहा है, तो उन्हें भी अनुमति दी जा रही है। पूर्णबंदी चार में फरीदाबाद सीमा पर किसी तरह की कोई ढील नजर नहीं आई। यहां नाके पर तैनात पुलिसकर्मी पहले की तरह मुस्तैद

दिल्ली और मुंबई में जुटे सैकड़ों प्रवासी मजदूर

पेज १ का बाकी

चौधरी ने इन प्रवासियों को अपनी गाड़ी में बैठाकर यहां लाने का काम किया।

इसी बात पर अनिल चौधरी को पहले घर में नजरबंद किया गया फिर गाजीपुर थाने में कोविड उल्लंघन के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया। मंगलवार को तो दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौधरी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर श्रमिकों के लिए 300 बसें चलाने की अनुमति मांगी है। उन्होंने पत्र में लिखा कि हजारों की संख्या में प्रवासी मजदूर जो दिल्ली में रहते हैं, अपने–अपने प्रदेशों को वापस लौट रहे हैं। इसलिए पलायन करते हुए बेसहारा प्रवासी श्रमिकों के प्रति कांग्रेस पार्टी अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए करीब 300 बसें दिल्ली के विभिन्न बार्डरों से चलाना चाहती है। मुंबई के बांद्रा टर्मिनस पर श्रमिक स्पेशल ट्रेन के रवाना होने से पहले पूरे इलाके में अफरा–तफरी मच गई।

बंगाल में सैलून और पार्लर खुले

पेज १ का बाकी

पर सरकारी और गैर–सरकारी दफ्तर

खोलने को कहा है। कोलकाता समेत विभिन्न

कहा, हमें पूरी सावधानी के साथ एवं संतुलित रूप से चलना होगा जिससे कोरोना संक्रमण फैले नहीं और जिंदगी भी रफ्तार पकड़े। काम कटिन है परंतु हमारा हौसला बुलंद है।’ जनता के हित में उठाए गए कदमों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ‘हमारे प्रवासी मजुदर भाई–बहन बिल्कुल भी चिंता न करें। सभी को बसों एवं ट्रेनों से उनके घर तक पहुंचाया जा रहा है। इस काम के लिए 91 से अधिक ट्रेनों और हजारों बसें लगाई गई हैं।

91 से अधिक ट्रेनों और हजारों बसें लगाई गई हैं। साथ ही प्रदेश के एक जिले से दूसरे जिले तक भी मजदूरों को पहुंचाया जा रहा है।’ चौहान ने कहा, जिन मजदूर भाइयों के पास राशन कार्ड नहीं है, उन्हें भी निशुल्क राशन दिया जा रहा है।

जो कार्य करना चाहते हैं तथा जिनके पास जाँब कार्ड नहीं है, पंचायतों के माध्यम से उनका जाँब कार्ड बनवा कर उन्हें काम दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार ने निर्णय लिया है कि ये सबल योजना के भी पात्र होंगे। सबल योजना गरीब का सुरक्षा कवच है जो उनकी हर आवश्यकता की पूर्ति करता है।

दिखाई दिए। एसपीी ट्रैफिक अभियन्तु खुद सीमा पर व्यवस्था का जायजा लेते नजर आए। इस दौरान दिल्ली की ओर से पुल से होते हुए कुछ लोग यहां पहुंचे, जिन्हें सीमा पर तैनात फरीदाबाद पुलिस ने रोक दिया। इससे गुस्साए लोगों ने हंगामा भी किया। हरियाणा रोडवेज डिपो बल्लभगढ़ से मंगलवार को कोई भी बस रूट पर नहीं चली। आइटीओ और यमुना ब्रिज इलाके में भी वाहनों की लंबी कतारें दिखीं।

दूसरी ओर सराय काले खां, पटपड़गंज, खारी बावली, चांदनी चौक इलाके में सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें नजर आईं। इसका एक कारण लोगों को अनुमति पर आना भी था। हालात को देखते हुए दिल्ली पुलिस के पूर्वी जिला उपायुक्त जसमीत सिंह को अपील करनी पड़ी कि आनंद विहार बस अड्डे से कोई भी बस उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड के लिए नहीं जा रही है। इसलिए लोग बस अड्डे पर न आए

दिल्ली और मुंबई में जुटे सैकड़ों प्रवासी मजदूर

पश्चिम रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि बाद में पुलिस ने लोगों को तितर–बितर कर दिया। एक महीने पहले भी सैकड़ों प्रवासी श्रमिक बांद्रा स्टेशन पर अपनी इस मांग के साथ पहुंच गए थे कि कोरोना के मद्देनजर उन्हें उनके मूल स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था की जाए। सोशल मीडिया पर फैले मंगलवार की घटना के वीडियो में बांद्रा टर्मिनस के गेट की ओर अपने बैगों को लेकर बड़ी संख्या में प्रवासी बढ़ते हुए नजर आ रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि लोग ग्यारह बजे इलाके में पहुंचने लगे थे। पश्चिम रेलवे ने बाद में एक बयान में कहा कि श्रमिक स्पेशल ट्रेन बांद्रा से पूर्णिया के लिए रवाना होने वाली थी और राज्य प्रशासन में पंजकरण करा चुके यात्रियों को उससे सफर करना था। रेलवे ने कहा कि लेकिन कई ऐसे लोग स्टेशन के समीप गए और पुल पर इकट्ठा हो गए जिन्होंने पंजीकरण नहीं कराया था और जिन्हें अधिकारियों ने ट्रेन से जाने के लिए नहीं बुलाया था।

बंगाल में सैलून और पार्लर खुले

इलाकों में कारोबारी गतिविधियां कम दिखीं। 21 मई से पूरे राज्य में बसें चलेंगी। 27 मई से ऑटोरिक्षा चलाने की इजाजत दी जाएगी।

हरियाणा में ऑटो कंपनियों ने उत्पादन शुरू किया

सकते हैं।’ निकाय, बोर्ड, निगम, राजस्व, स्वास्थ्य, सिंचाई, ऊर्जा, चिकित्सा, शिक्षा, वित्त और कर विभाग के कर्मचारियों के लिए यह नियम लागू नहीं होगा।

उत्तराखंड में व्यवसायिक वाहनों को मंजूरी

पेज १ का बाकी

गया। देहरादून, हरिद्वार, रुड़की, हल्द्वानी, रुद्रपुर, काशीपुर और कोटद्वार में सम–विषम आधार पर वाहन को इजाजत दी गई। राज्य सरकार ने अभी अंतर राज्तीय बसें चलाने की इजाजत नहीं दी है। प्रवासियों को ले जाने के लिए बसें जारी रहेंगी। विशेष परिस्थितियों में निजी वाहनों को शाम चार बजे बाद भी चलने की अनुमति दी जा रही है।

तूफान ‘अम्फान’ से बंगाल और ओड़ीशा हाई अलर्ट पर

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 19 मई।

महाचक्रवात ‘अम्फान’ मंगलवार को पश्चिम बंगाल और ओड़ीशा में भारतीय तटों की ओर बढ़ा। इसके साथ ही पश्चिमी–मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर यह हल्का कमजोर होकर ‘अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान’ में तब्दील हो गया। तूफान के कारण पश्चिम बंगाल और ओड़ीशा में जोखिम वाले इलाकों से लाखों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। दोनों राज्य हाई अलर्ट पर हैं। चक्रवात के चलते तेज रफ्तार हवाएं चल रही हैं और ओड़ीशा के कई क्षेत्रों में बारिश हुई है।

गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने जानकारी दी कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और ओड़ीशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से बात की और उन्हें स्थिति से निपटने में हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पश्चिम बंगाल में भारत–बांग्लादेश नदी क्षेत्र मोर्चे और इच्छामती नदी की सुरक्षा के लिए तैनात अपनी तीन चलती फिरती सीमा चौकियों या जहाज और 45 अन्य गश्ती नौकाओं को चक्रवात अम्फान के मद्देनजर सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया है। बीएसएफ का दक्षिण बंगाल फ्रंटियर इन जहाज और नौकाओं का इस्तेमाल इस क्षेत्र में 350 किलोमीटर लंबे नदी क्षेत्र की चौकसी के लिए करता है। चक्रवात ओड़ीशा के पारादीप से लगभग 520 किलोमीटर दक्षिण में और पश्चिम बंगाल के दीघा से 670 किलोमीटर दक्षिण–दक्षिणी पश्चिम में पश्चिम–मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर केंद्रित है। यह 14 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर–उत्तरी पश्चिमी दिशा की ओर बढ़ रहा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि लगभग तीन लाख लोगों को राज्य के तटीय क्षेत्रों से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। लोगों को चक्रवात आश्रय केंद्रों में भेजा गया है। तूफान की स्थिति को देखते हुए दोनों राज्यों में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने 41 टीमें तैनात की हैं। अधिकारियों के मुताबिक, कोरोना विषाणु संक्रमण को देखते हुए लोगों के बीच शारीरिक दूरी बनाए रखने के नियम का पालन करने पर भी ध्यान रखा जा रहा है।

राज्यों में पटरी पर लौटी जिंदगी

पेज १ का बाकी

दिखे। विभिन्न राज्यों ने पूर्णबंदी के नियमों के दायरे में गतिविधियों की इजाजत देनी शुरू कर दी है।

राजस्थान ने मजदूरों के लिए विशेष बसें चलानी शुरू की हैं। वहां की लगभगतीन लाख छोटी–बड़ी औद्योगिक इकाइयों में से करीब 40 फीसद में उत्पादन शुरू हो गया है। हालांकि, औद्योगिक इकाइयों में काम पर 30 से 40 फीसद श्रमिक ही पहुंच पाए हैं। मांग कमजोर होने से 50 फीसद उत्पादन क्षमता का भी उपयोग नहीं हो पा रहा है।

महाराष्ट्र के दफ्तरों में और औद्योगिक इकाइयों में कामकाज शुरू हुआ है। हालांकि, सिर्फ 23 फीसद हाजिरी दर्ज होने की खबर है। हालांकि सड़कों पर निजी वाहन दिखे। झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक समेत विभिन्न राज्यों में सीमित यात्रियों की अनुमति के साथ बस सेवाएं बहाल की गई हैं। हालांकि, अधिकांश राज्यों में अंतरराज्यीय बसों और हैदराबाद महानगरीय बस सेवा पर रोक जारी है। कर्नाटक में मंगलवार को सड़कों पर ऑटोरिक्षा, कैब और बसें चलने लगीं। बड़ी संख्या में टैक्सी, बस और ऑटोरिक्षा सड़कों पर उतरीं।

यूपी में निषिद्ध क्षेत्रों से आने पर रोक

पेज १ का बाकी

आदि की दुकानों को खोलने की अनुमति है। निषिद्ध व लाल क्षेत्रों के बाहर सभी दुकानें और फैक्टरियां खोल दी गई हैं। ग्रामीण क्षेत्रों व नगर पालिका क्षेत्रों में निषिद्ध क्षेत्रों के बाहर सभी दुकानों को खोला जा रहा है। यातायात में थोड़ी ढील दी गई है, लेकिन सड़कों पर वाहन कम दिखे। रेततरां और मिठाई की दुकानें खोली गई हैं। उन्हें होम डिलीवरी और सामान बेचने की इजाजत दी गई है। दुकान में बैठकर खाने की अनुमति नहीं है।

औद्योगिक इकाइयों में काम शुरू किया गया। चार पहिया वाहनों में ड्राइवर के अतिरिक्त दो लोगों को बैठकर चलने की अनुमति है। बाइक पर पीछे बैठने की अनुमति नहीं है लेकिन महिला को पीछे बैठने की अनुमति है। तिपहिया वाहन में चालक के अतिरिक्त दो व्यक्ति ही चल सकते हैं। राज्यों की सहमति के साथ अंतरराज्यीय बसों के संचालन को फिलहाल अनुमति नहीं दी गई है। दूसरे राज्यों द्वारा निर्धारित किए गए यात्री वाहनों को प्रदेश में प्रवेश की अनुमति नहीं है।

पंजाब में आज से चलेंगी बसें

पेज १ का बाकी

सकेंगे। सेनिटाइजेशन जरूरी होगा। शुरुआत में बसों की संख्या सीमित होगी। बसों को बीच में नहीं रोका जाएगा। यानी अगर चंडीगढ़ से पटियाला के लिए बस चलती है तो बस सिधे पटियाला जाकर ही रुकेगी। इसके साथ ही कंटेनमेंट जोन में कोई बस नहीं चलेगी।

परिवहन मंत्री रजिया सुल्ताना ने कहा कि टैक्सी, चार पहिया वाहन और कैब केंद्र के निर्धारित नियमों के अनुसार ही चल सकेंगे। रिक्षा और ऑटो में केवल एक चालक व दो यात्रियों को ही अनुमति होगी। दो पहिया वाहनों व साइकिलों पर केवल एक ही व्यक्ति सवार कर सकेगा। पंजाब में अब केवल दो–निषिद्ध या अनिषिद्ध क्षेत्र ही होंगे। इस बीच, लुधियाना के हौजरी और साइकिल उद्योग में 50 फीसद से अधिक इकाइयों ने काम करना शुरू कर दिया है। हिमाचल प्रदेश के उद्योग क्षेत्र बड़ी–नालगढ़ स्थित फार्मा कंपनियों में उत्पादन कम होता जा रहा है।

श्रमिकों के लिए बसों को लेकर सस्ती राजनीति कर रही है योगी सरकार : कांग्रेस नई दिल्ली, 19 मई (भाषा)।

कांग्रेस ने मंगलवार को आरोप लगाया कि श्रमिकों के लिए उसकी ओर से एक हजार बसों की व्यवस्था किए जाने को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार सस्ती राजनीति कर रही है और असंवेदनशीलता का परिचय दे रही है।

पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की श्रमिकों की सेवा से जुड़े कांग्रेस के प्रयास में ‘गंगा की तरह मन साफ’ करके सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश प्रशासन को भेजे गए विवरण में टाइपिंग की कुछ गलती पर उत्तर प्रदेश के मंत्री सवाल उठा रहे हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश की सीमा पर खड़ी सैकड़ों बसें उन्हें नजर नहीं आ रही हैं। सुरजेवाला ने वीडियो लिंक के माध्यम से कहा कि आदित्यनाथ जी कहते थे कि नर सेवा नारायण सेवा है, लेकिन अब वह मजदूरों की सेवा पर सस्ती राजनीति कर रहे हैं और असंवेदनशीलता दिखा रहे हैं।

लद्दाख व उत्तर सिक्किम सीमा पर भारत और चीन ने तैनाती बढ़ाई

पेज १ का बाकी

सैनिकों ने सीमा नियंत्रण उपाय मजबूत किए हैं। सरकारी ‘ग्लोबल टाइम्स’ ने सेना के अज्ञात सूत्रों के हवाले से खबर दी, ‘गलवान घाटी क्षेत्र में चीनी क्षेत्र में हाल में भारत द्वारा अवैध रक्षा निर्माण’ के बाद चीन ने यह कदम उठाया है।

भारत में सेना प्रमुख का पदभार ग्रहण करने के बाद उनके नेपाल करने की परंपरा रही है लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि जनरल एमएम नरवणे नेपाल का दौरा जल्द करेंगे या नहीं। उनसे पहले जनरल बिपिन रावत ने सेना प्रमुख बनने के तीन महीने के भीतर नेपाल का दौरा किया था। चीन ने मंगलवार को कहा कि कालापानी भारत और नेपाल के बीच का मुद्दा है और उम्मीद जताई कि दोनों पड़ोसी ‘एकतरफा कार्रवाई’ करने से बचेंगे और दोस्ताना सलाह–मशविरा से अपने विवादों का उचित समाधान करेंगे।

राज्यों में पटरी पर लौटी जिंदगी

देश में संक्रमण के मामले 1,05,498 हुए

पेज १ का बाकी

वृद्धि के साथ संक्रमितों की संख्या 1,01,139 पहुंच गई है। वहीं, इस महामारी से मरने वालों की संख्या एक दिन में 134 बढ़कर 3,163 हो गई है। अब तक 39,173 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं जिनमें से 2,350 चौबीस घंटे के दौरान स्वस्थ हुए हैं। 58,802 मरीजों का इलाज चल रहा है जबकि अब तक 38.73 फीसद मरीज स्वस्थ हो चुके हैं।

मंत्रालय के मुताबिक चौबीस घंटों में मरने वालों में गुजरात के 51, गुजरात के 35, उत्तर प्रदेश के 14, दिल्ली के आठ, राजस्थान के सात, पश्चिम बंगाल के छह, मध्य प्रदेश के चार, तमिलनाडु के तीन, पंजाब के दो, जम्मू कश्मीर के दो, बिहार का एक और तेलंगाना का एक मरीज शामिल है। देश में अब तक कोरोना से सबसे अधिक 1249 मौतें महाराष्ट्र में हुई हैं। इसके बाद गुजरात में 694, मध्य प्रदेश में 252, पश्चिम बंगाल में 238, राजस्थान में 138, दिल्ली में 168, उत्तर प्रदेश में 118, तमिलनाडु में 81, आंध्र प्रदेश में 50, कर्नाटक में 37, पंजाब में 37, तेलंगाना में 35, हरियाणा में 14, जम्मू–कश्मीर में

15, बिहार में नौ, केरल में चार, ओड़ीशा में चार, झारखंड में तीन, चंडीगढ़ में तीन, हिमाचल प्रदेश में तीन, असम में दो और मेघालय, उत्तराखंड व पुदुचेरी में एक–एक व्यक्ति की मौत हुई। मंत्रालय के मुताबिक मृतकों में से 70 फीसदी पहले से ही अन्य बीमारियों से ग्रस्त थे।

कोरोना विषाणु से देश भर में सबसे ज्यादा महाराष्ट्र में 35058 लोग संक्रमित हैं। इसके बाद तमिलनाडु में 11760, गुजरात में 11745, दिल्ली में 10054, राजस्थान में 5507, मध्य प्रदेश में 5236, उत्तर प्रदेश में 4605, पश्चिम बंगाल में 2825, आंध्र प्रदेश में 2474, पंजाब में 1980, तेलंगाना में 1597, बिहार में 1391, जम्मू–कश्मीर में 1289, कर्नाटक में 1246, हरियाणा में 928, ओड़ीशा में 876, केरल में 630, झारखंड में 223, चंडीगढ़ में 196, त्रिपुरा में 167, असम में 107, उत्तराखंड में 93, छत्तीसगढ़ में 93, हिमाचल प्रदेश में 80, लद्दाख में 43, अंडमान–निकोबार द्वीप समूह में 33, गोवा में 38, पुदुचेरी में 18, मेघालय में 13, मणिपुर में सात और मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश व वदर–नगर हवेली में संक्रमण के एक–एक मामला सामने आया है।

मजदूरों के लिए हजार बसें, मगर चक्के तले आई सियासत

पेज १ का बाकी

यह भी आरोप लगाया कि उस सरकार प्रवासी मजदूरों की मदद नहीं करना चाहती थी। उत्तर प्रदेश सरकार ने सोमवार को मजदूर प्रवासियों को वापस लाने के लिए 1000 बसें चलाने के कांग्रेस के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया था। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के निजी सचिव संदीप सिंह को भेजे पत्र में 1000 बसें, सभी दस्तावेजों के साथ, लखनऊ में मंगलवार सुबह 10 बजे सौंपने को कहा था।

16 मई को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाढ़ा ने गाजियाबाद में गाजीपुर सीमा से 500 बसें और नोएडा सीमा से 500 बसें चलाने की अनुमति मांगी थी। सिंह के मुताबिकर 18 मई शाम चार बजकर एक मिनट पर मुझे एक पत्र मिला और 1000 बसों की सूची, उनके चालक और कंडक्टर का ब्यौरा मांगा गया। इसे ईमेल मिलने के थोड़ी देर बाद ही मुहैया करवा दिया गया था।’

उधर, अपर मुख्य सचिव (गृह) अवनीश अवस्थी ने मंगलवार सुबह कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के निजी सचिव को भेजे गए पत्र में कहा, ‘आपके पत्र के अनुसार आप लखनऊ में बस देने में असमर्थ हैं एवं दंडात्मक कार्रवाई से तीन सप्ताह का संरक्षण प्रदान कर दिया है। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि प्रारंभिक प्राथमिकी, जो नागपुर में दर्ज हुई थी, के अलावा बाकी सभी प्राथमिकी रद्द करते हुए कहा कि पत्रकारिता की स्वतंत्रता अभिव्यक्ति और बोलने की आजादी का मूल आधार है। नागपुर में दर्ज प्राथमिकी शीर्ष अदालत ने अर्णब गोस्वामी पर कथित हमले की शिकायत के साथ संयुक्त जांच के लिए मुंबई स्थानांतरित कर दी थी।

पीठ ने समाचार कार्यक्रम को लेकर अलग–अलग स्थानों पर दायर प्राथमिकी रद्द करते हुए कहा कि इसका दमघोंटू प्रभाव होता। पीठ ने इसके साथ ही निर्देश दिया कि 21 अप्रैल के कार्यक्रम के संबंध में अब कोई नई शिकायत या प्राथमिकी पर विचार नहीं किया जाएगा। पीठ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अर्णब गोस्वामी की याचिका पर फैसला सुनाते हुए कहा कि

संविधान के अनुच्छेद 19 (1)(ए) के तहत पत्रकार का अधिकार ऊंचे पायदान पर होता है और भारत में प्रेस की आजादी उस समय तक है जब तक पत्रकार सत्ता के सामने सच बोल सकता है लेकिन यह स्वतंत्रता निर्बाधित नहीं है। शीर्ष अदालत ने 11 मई को अपने आदेश में कहा था कि मुंबई पुलिस द्वारा दो मई को दर्ज नई प्राथमिकी में अर्णब गोस्वामी के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए।

इस प्राथमिकी में आरोप लगाया गया था कि उनके कार्यक्रम में की गई कुछ टिप्पणियों से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

अपने कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ कुछ कथित मानहानिकारक बयानों के कारण अर्णब गोस्वामी के खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। इन प्राथमिकी को निरस्त करने के लिए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

खबर कोना



जेसन होल्डर

वेस्टइंडीज के कप्तान जेसन होल्डर ने कहा है कि वह कोरोना महामारी के बीच अपने खिलाड़ियों को इंग्लैंड के दौरे पर जाने के लिए बाध्य नहीं करेंगे

खिलाड़ियों को इंग्लैंड दौरे के लिए बाध्य नहीं करेंगे : होल्डर

लंदन, 19 मई (भाषा)।

वेस्टइंडीज के कप्तान जेसन होल्डर ने कहा है कि वह कोविड-19 महामारी के बीच अपने खिलाड़ियों को तीन टेस्ट मैचों के इंग्लैंड के दौरे पर जाने के लिए बाध्य नहीं करेंगे। वेस्टइंडीज को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चार जुन से इंग्लैंड में टेस्ट श्रृंखला खेली थी लेकिन इसे को स्थगित करना पड़ा। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को उम्मीद है कि वे जुलाई में इसे आयोजित करके अपना सत्र शुरू कर सकते हैं। होल्डर ने कहा, ‘कोई भी कदम उठाते हुए प्रत्येक खिलाड़ी को सहज होना चाहिए। स्पष्ट कर दिया गया है कि अगर हमें इंग्लैंड में खेलने जाना है तो ऐसा करना सुरक्षित होना चाहिए।’ उन्होंने कहा, ‘मेरे नजरिए से देखा जाए तो निश्चित तौर पर मैं किसी को भी जाने के लिए बाध्य नहीं करूंगा।’

उमर अकमल ने प्रतिबंध के खिलाफ याचिका दायर की

कराची, 19 मई (भाषा)।

पाकिस्तानी बल्लेबाज उमर अकमल ने भ्रष्टाचार के मामले में तीन साल की सजा के खिलाफ मंगलवार को याचिका दायर की। उमर को मैच फिक्सिंग के लिए संपर्क किए जाने के बाद बोर्ड को इसकी जानकारी नहीं देने का दोषी पाया गया था। एक वेबसाइट के मुताबिक पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) इस मामले की सुनवाई के लिए एक स्वतंत्र समिति नियुक्त करेगा। अकमल ने प्रधानमंत्री के संसदीय मामलों के सलाहकार, बाबर अवन की कानून कंपनी को अपना पैरोकार बनाया है।

बेटी के पिता बने महान फरार्त धावक बोल्ट

किंगस्टन, 19 मई (एफएपी)।

जमैका के महान फरार्त धावक उसेन बोल्ट पहली बार पिता बन गए हैं। उनकी पार्टनर केसी बेनेट ने बेटी को जन्म दिया है। जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस ने सोशल मीडिया पर बोल्ट को बेटी के जन्म के लिए बधाई दी। होलनेस ने ट्विटर पर लिखा, ‘हमारे महान फरार्त धावक उसेन बोल्ट और केसी बेनेट को बेटी के जन्म पर बधाई।’ स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार इस जोड़े की बेटी का जन्म रविवार को हुआ। इसके अलावा अन्य जानकारों अभी उपलब्ध नहीं है। तैंतीस साल के बोल्ट ने मार्च में सोशल मीडिया पर खुलासा किया था कि बेनेट बेटी को जन्म देने वाली हैं। ओलंपिक में आठ स्वर्ण जीतने वाले बोल्ट ने 2017 में एथेलेटिक्स से संन्यास ले लिया था।

पाबंदियों के साथ खेल

ब्रेमेन (जर्मनी), 19 मई (एपी) ।

बायर्न लेवरकुसेन ने बुंदेसलीग फुटबॉल लीग में सोमवार को वर्डर ब्रेमेन को 4-1 से हराया जिसके साथ कोरोना वायरस के कारण निलंबन के बाद दोबारा शुरू हुई लीग का पहला दौरा पूरा हुआ। दो महीने के निलंबन के बाद दोबारा शुरू लीग ने तीन दिन में एक दौर के मैच पूरे किए। वर्डर के खाली स्टेडियम में गोल करने के बाद लेवरकुसेन के कुछ खिलाड़ी समूह में एकत्रित हो गए जबकि लीग ने न्यूनतम शारीरिक संपर्क के लिए कड़े दिशानिर्देश जारी किए हैं। पहले तीन गोल सिर्फ पांच मिनट के भीतर हुए। केई हावट्ज़ ने 28वे मिनट में हेडर से गोल दागकर लेवरकुसेन को बढ़त दिलाई लेकिन वर्डर ने थियोडोर गेबरे के गोल से बराबरी हासिल कर ली। हावट्ज़ ने इसके बाद फ्री किक पर हेडर से एक और गोल दागकर अपनी टीम को 2-1 से आगे किया। दूसरे हाफ में मिशेल वाइसर और केरेम डेमेरेवे ने एक-एक गोल और दागकर लेवरकुसेन की 4-1 से जीत सुनिश्चित की।

निलंबन के बाद दोबारा शुरू हुई लीग का पहला दौरा पूरा

लेवरकुसेन ने ब्रेमेन को हराया

रोनाल्डो जुवेंटस के अभ्यास केंद्र पहुंचे

मिलान, 19 मई (एपी)।

करिश्माई फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो 10 सप्ताह के अंतराल के बाद इटली के सिरि ए क्लब जुवेंटस के अभ्यास



सिरी ए 14 जून से पहले शुरू नहीं होगी

मिलान, 19 मई (एफएपी)।

सिरी ए सहित उसकी सभी प्रतियोगिताएं 14 जून तक निलंबित रहेंगी। सिरी एक को 13 जून को वापसी की उम्मीद थी लेकिन एफआइजीसी ने सरकार के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए लीग को दोबारा शुरू करने की तारीख को आगे खिसका दिया है। सरकार ने सभी खेल प्रतियोगिताओं को अगले महीने तक निलंबित रखने के निर्देश दिए हैं। एफआईजीसी ने कहा कि सरकार के फैसलों को ध्यान में रखते हुए आगे भी फैसले किए जाएंगे। इस तरह महासंघ ने सुझाव दिया कि 13 जून को लीग को दोबारा शुरू करने की उम्मीद बनी रह सकती है।

केन्द्र पहुंचे। यहां उनकी चिकित्सा जांच हुई।

कोविड-19 महामारी के कारण पुर्तगाल स्थित अपने घर टीम के गृह-शहर तुरिन पहुंचने के बाद वह दो सप्ताह तक पृथक्वास में रहे। रोनाल्डो ने लीग में अपना पिछला मुकाबला आठ मार्च को खेला था। इस मैच में उनके गोल की मदद से टीम ने इंटर मिलान को 2-0 से हराया था।

एक साल तक जारी रह सकती हैं पाबंदियां

मैनचेस्टर, 19 मई (एपी)।

इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) को सरकारी विशेषज्ञों ने कहा है कि कोरोना वायरस से जुड़ी पाबंदियां इंग्लिश फुटबॉल में कम से कम एक साल तक जारी रह सकती हैं जबकि खिलाड़ियों को मंगलवार से एक दूसरे के संपर्क में आए बिना ट्रेनिंग करने की स्वीकृति होगी।

इंग्लैंड की शीर्ष स्तर की फुटबॉल लीग अध्ययन कर रही है कि कैसे पिछले सप्ताहात जर्मनी की बुंदेसलीगा अपनी लीग शुरू करने में सफल रही। 12 जून को लीग शुरू करने के उसके लक्ष्य को हासिल करना आसान नहीं होगा।

श्रोडाउन विशेषज्ञ पर बोले भारतीय कप्तान कोहली

रघु के कारण तेज गेंदबाजी के खिलाफ बेहतर हुए

नई दिल्ली, 19 मई (भाषा)।

भारतीय कप्तान विराट कोहली का मानना है कि श्रोडाउन विशेषज्ञ डी राघवेंद्र की साइडआर्म से श्रो करते हुए 150-155 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार हासिल करने से भारतीय बल्लेबाजों को हाल के वर्षों में तेज गेंदबाजी के खिलाफ सुधार करने में काफी मदद मिली।

साइडआर्म एक क्रिकेट उपकरण है जो लंबे चम्मच की तरह होता है और इसके एक हिस्से को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि इससे गेंद को पकड़ा जाए और तेज गति से फेंका जाए।

कोहली ने बांग्लादेश के स्टार बल्लेबाज तमीम इकबाल से इंस्टाग्राम लाइव सत्र के दौरान



सुधार का श्रेय

कोहली ने बांग्लादेशी बल्लेबाज तमीम इकबाल से बातचीत के दौरान कहा, ‘मेरा मानना है कि भारतीय टीम ने 2013 से तेज गेंदबाजी का सामना करते हुए जो सुधार दिखाया है वह रघु के कारण है।’

कोहली ने बांग्लादेशी बल्लेबाज तमीम इकबाल से 2013 से तेज गेंदबाजी का सामना करते हुए जो सुधार दिखाया है वह रघु के कारण है।’

साइडआर्म के साथ आसानी से 155 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से गेंद फेंक सकता है।’

कोहली ने कहा, ‘नेट पर रघु का सामना करने के बाद जब आप मैच में जाते हो तो आपको महसूस होता है कि गेंद खेलने के लिए आपके पास काफी समय है।’

यूएसजीए ने अमेरिकी ओपन का क्वालीफाइंग दौर रद्द किया

न्यूयॉर्क, 19 मई (एफएपी)।

अमेरिका गोल्फ संघ (यूएसजीए) सितंबर में न्यूयॉर्क में होने वाले अमेरिकी ओपन के क्वालीफाइंग दौर को रद्द कर रहा है। इस मेजर चैंपियनशिप का आयोजन न्यूयॉर्क के मेमरोनेक के विंग्ड फुट में 18 से 21 जून तक होना था लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण अंतरराष्ट्रीय गोल्फ कैलेंडर में आमूलचूल बदलाव के बाद इसे स्थगित कर दिया गया। अमेरिकी ओपन का आयोजन 17 से 20 सितंबर तक किया जाना है लेकिन यूएसजीए ने कहा है कि इसके स्थानीय, क्षेत्रीय और अंतिम क्वालीफाइंग दौर नहीं होंगे। यूएसजीए के चैंपियनशिप के वरिष्ठ प्रबंध निदेशक जॉन बोडेनहेमर ने कहा, ‘जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, यह बेहद मुश्किल फैसला है क्योंकि यूएसजीए चैंपियनशिप का क्वालीफाइंग दौर करीब है।’

संचालन संस्था ने कहा कि अमेरिकी ओपन और अमेरिकी महिला ओपन में खिलाड़ियों को टूर्नामेंट में छूट के जरिए जगह दी जाएगी और छूट के वर्गों से संबंधित सूचना आगामी हफ्तों में दी जाएगी।

मयंक अग्रवाल ने कहा, द्रविड़ की बातों ने बल दिया

बंगलुरु, 19 मई (भाषा)।

लंबे समय तक इंतजार के बाद भारतीय टीम में जगह बनाने वाले मयंक अग्रवाल ने कहा कि महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ की प्रेरणास्पद बातों ने नकारात्मक विचारों को उनके जेहन में फटकने भी नहीं दिया।

संजय मांजरेकर को एक वीडियोकास्ट में मयंक ने कहा, ‘मैं रन बना रहा था। रणजी सत्र और भारत ए के लिए भी काफी रन बनाए थे। मैंने राहुल भाई से बात की। मैंने बताया कि टीम में नहीं चुने जाने से निराश हो रहा हूं।’

मयंक ने कहा, ‘मुझे अच्छे से याद है कि उन्होंने कहा था कि मयंक ये चीजें तुम्हारे हाथ में नहीं है। तुमने मेहनत की और यहां तक पहुंचे। चयन तुम्हारे हाथ में नहीं है। मैं पूरी तरह से उनसे सहमत हूं। ये बातें सैद्धांतिक रूप से समझ में तो आती हैं लेकिन व्यवहारिक तौर पर इन्हें समझना मुश्किल होता है।’ मयंक ने कहा, ‘उन्होंने कहा था कि आने वाला समय पिछले से अलग नहीं होगा। अगर नकारात्मक सोच के साथ खेलोगे तो नुकसान तुम्हारा ही होगा। मुझे अभी भी उनकी बात याद है जो मेरे लिए प्रेरणा बनी।’

21 की उम्र में पहली बार द्वाइयां ली : आर्मस्ट्रांग

पेरिस, 19 मई (एफएपी)।

अमेरिका के पूर्व साइकिलिस्ट लॉस आर्मस्ट्रांग ने खुलासा किया है कि पेशेवर के रूप में अपने पहले सत्र के दौरान उन्होंने 21 साल की उम्र से शक्तिवर्धक दवाइयों का सेवन शुरू कर दिया था।

आर्मस्ट्रांग से जब पूछा गया कि तब उनकी उम्र कितने साल की थी जब पहली बार उन्होंने शक्तिवर्धक दवाइयों का सेवन किया था, उन्होंने कहा, ‘वाह। सीधे मुद्दे पर ही आते हैं, शायद 21 साल।’

ईएसपीएन के वृत्तचित्र में वह अमेरिका की पत्रकार से बात कर रहे हैं। इसका 90 सेकेंड का ट्रेलर सोमवार को जारी किया। आर्मस्ट्रांग अब 48 साल के हैं। उन्होंने पहली बार 2013 में स्वीकार किया था कि उन्होंने 1996 से डॉपिंग शुरू की थी। उन्होंने 1999 से 2005 तक लगातार सात साल टूर डि फ्रांस का खिताब जीता था। बाद में हालांकि उनसे ये खिताब छीन लिए गए।



आर्मस्ट्रांग ने पहली बार 2013 में स्वीकार किया था कि उन्होंने 1996 से डॉपिंग शुरू की थी।

ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंटों की तारीख तय करने को कहा

लुसाने, 19 मई (भाषा)।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने सभी अंतरराष्ट्रीय महासंघों से तोक्यो ओलंपिक के क्वालीफायर टूर्नामेंटों की तारीखों को अंतिम रूप देने और महामारी के बीच टूर्नामेंटों को रद्द करने सहित सभी तरह की संभावनाओं के लिए अपात योजना मसौदा बनाने में मदद करने को कहा है।

पिछले महीने आइओसी ने तोक्यो ओलंपिक के क्वालीफिकेशन समय के लिए 29 जून 2021 की समय सीमा तय की थी। आइओसी ने कहा, ‘अंतरराष्ट्रीय महासंघों के कैलेंडर में अनिश्चितता को देखते हुए कुछ प्रतियोगिताओं की तारीखों और स्थान पर अब भी फैसला किया जाना बाक़ी है, हम आपको पूर्व में ही धन्यवाद देते हैं कि आप प्रतियोगिताओं की तारीख और स्थल की पुष्टि होने

‘योजना तैयार हो’

आइओसी ने कहा, ‘हम चाहते हैं कि जुलाई तक यह योजना तैयार हो जाए और फिर वैश्विक स्थिति के आधार पर हम आपके साथ चर्चा करेंगे कि इन्हें लागू करना जरूरी है या नहीं’

पर हमें सूचित करेंगे जिससे कि इन्हें जल्द से जल्द क्वालीफिकेशन प्रणाली में शामिल किया जा सके।’ आइओसी ने कहा, ‘आइओसी के खेल संचालन मैनेजर आपके साथ मिलकर अपात योजना पर काम करना जारी रखेंगे जिससे कि ओलंपिक क्वालीफिकेशन प्रतियोगिताओं के नहीं होने की स्थिति में इसे लागू किया जा सके।’



इंग्लैंड के

ऑफ-स्पिनर डैम बेस का मानना है कि शारीरिक फिटनेस बनाए रखने से उन्हें लॉकडाउन के कारण होने वाली चिंता से निपटने में मदद मिली है। तस्वीर पूर्व में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक मैच की है।

तनाव से मुक्ति

मार्च से ही भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में हैं महिला और पुरुष हॉकी टीमें

बंगलुरु, 19 मई (भाषा)।

भारतीय महिला और पुरुष हॉकी टीमें सामाजिक दूरी का पालन करते हुए कई नई तकनीकें सीख गई हैं जिनकी जरूरत उन्हें कोरोना लॉकडाउन के दौरान इंडोर अभ्यास में पड़ रही है। दोनों टीमें यहां भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में है चूंकि मार्च से ही देशव्यापी लॉकडाउन के कारण खेल बंद है। कोचिंग स्टाफ भी इसी केंद्र पर है लेकिन सामाजिक दूरी के नियमों के कारण टीमें विभिन्न ऐप का इस्तेमाल करके अपना काम उस पर जमा कर रही हैं। महिला टीम की उपकप्तान सविता ने कहा, ‘इससे पहले इन ऐप का इस्तेमाल सप्ताह की गतिविधियां तय करने के लिए ऑचिंग स्टाफ ही करता था जो बाद में हमसे साझा की जाती थी।’

उन्होंने कहा, ‘लॉकडाउन के दौरान साइ केंद्र पर सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करते हुए हम सभी गूगल डाक्स और गूगल फार्म्स का इस्तेमाल अपना काम और डेटा



सविता पुनिया

जमा करने के लिये कर रहे हैं।’

उन्होंने कहा, ‘इसके बाद मुख्य कोच या वैज्ञानिक सलाहकार से वीडियो कॉल पर इस पर चर्चा की जाती है।’

अब टीम बैठकों और टीम कॉफ्रेंस में गूगल मीट या जूम का इस्तेमाल आम हो गया है। पुरुष टीम के उपकप्तान

महिला टीम की उपकप्तान सविता ने

कहा, ‘लॉकडाउन के दौरान साइ केंद्र पर

सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करते

हुए हम सभी गूगल डाक्स और गूगल

फार्म्स का इस्तेमाल अपना काम और डेटा

जमा करने के लिए कर रहे हैं।’

हरमनप्रीत सिंह ने कहा, ‘हमारा सहयोगी स्टाफ इसी

परिसर में है लेकिन हम व्यक्तिगत बैठकों के लिए जूम कॉल का इस्तेमाल करते हैं जिनमें आहार, मैच विश्लेषण वगैरह पर बात की जाती है।’

उन्होंने कहा, ‘इसके अलावा गूगल मीट पर टीम बैठकें



हरमनप्रीत सिंह

होती है। हमने यह सब लॉकडाउन में ही सीखा है। इससे हम

परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के भी संपर्क में रह सकते हैं।’

टीम अभ्यास की बहाली के लिए खेल मंत्रालय और साइ से मानक संचालन प्रक्रिया और आगे के दिशा निदेशों का

इंतजार कर रही है।

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 37, अंक 184 *हवाई शूल्क* : इंग्लिश-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।
 दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और पेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोन: (0120) 2470700/2470740, ई-मेल: edit.jansatta@expressindia.com, फैक्स: (0120) 2470753, 2470754. **बोर्ड अध्यक्ष: विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादक: मुकेश भारद्वाज***, **पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कॉपीराइट: डि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।